Finish 196.5 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• सितम्बर २०१७ • वर्ष ६८ • अंक ०९

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

झारखंड सम्मेलन का षष्ठम अधिवेशन

अधिवेशन में श्री निर्मल कुमार काबरा (दायें) ने प्रांतीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया; साथ हैं निवर्तमान अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

अधिवेशन में झारखंड के मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास वक्तव्य देते हुए। साथ में परिलक्षित हैं सर्वश्री शिव कुमार लोहिया, रामअवतार पोद्दार, सीताराम शर्मा, नंदलाल रूँगटा, निर्मल कुमार काबरा, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, बसंत मित्तल एवं अन्य

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष

श्री बिनोद तोदी

१६ सितम्बर २०१७ को सम्मेलन और ज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'संस्कार संस्कृति चेतना' कार्यक्रम में ज्ञान भारती के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र पंसारी, और सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री संतोष सराफ गणमान्य अतिथिओं, शिक्षिकाओं और भाषण-प्रतियोगिता के प्रतिभागी छात्रों के साथ परिलक्षित हैं।

इस अंक में :

- अध्यक्षीय - जी.एस.टी. की परेशानी पर सरकार ध्यान दे
- सम्पादकीय - संस्कार-संस्कृति-चेतना - एक मौलिक कार्यक्रम
- रपट - सम्मेलन की वार्षिक साधारण बैठक
- रपट - मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत का गठन :
- प्रांतीय समाचार
- आलेख - हिन्दू संस्कारों में शक्ति का प्रथम स्थान
- आलेख - युवाओं के लिए कालजयी सीख

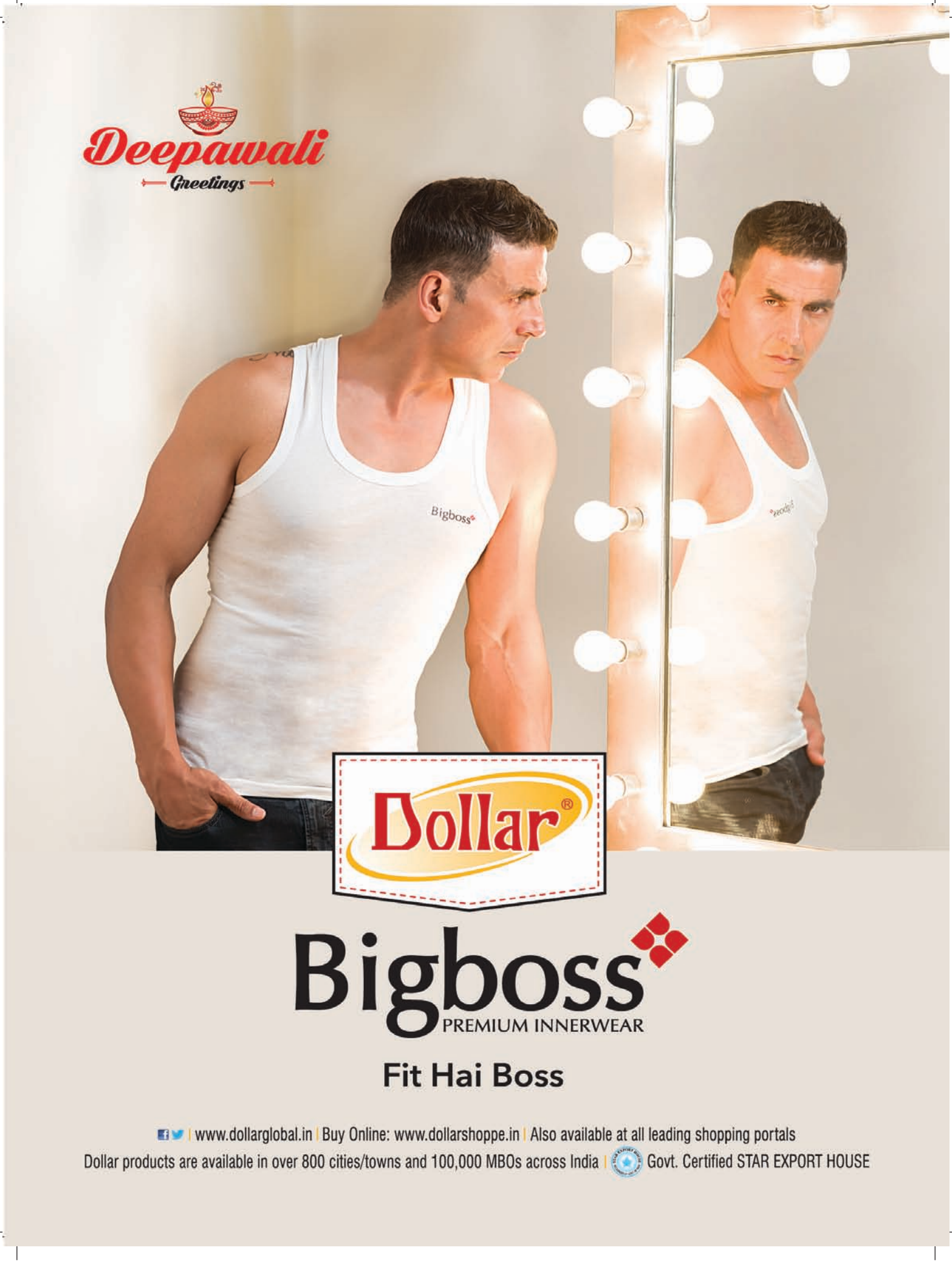
Deepawali
Greetings
Bigboss
Dollar®
Bigboss
PREMIUM INNERWEAR
Fit Hai Boss
www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals
Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

समाज विकास

◆ सितम्बर २०१७ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०९

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय** : **सन्तोष सराफ** संस्कार संस्कृति चेतना – एक मौलिक कार्यक्रम	३
• **चिट्ठी आई है**	४
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** जी.एस.टी. की परेशानी पर सरकार ध्यान दे	७
• **रपट** - सम्मेलन की बार्षिक साधारण बैठक	८
• **रपट** - मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत का गठन : बिड़ला, खेतान एवं मोदी सलाहकार	१०
• **रपट** - उपसमिति की बैठक	१३
• प्रान्तीय समाचार	१४
• **रपट** - संस्कार-संस्कृति चेतना कार्यक्रम	१९
• समाचार सार	२४
• **आलेख : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ** हिन्दु संस्कारों में शक्ति का प्रथम स्थान	२५
• **आलेख : शिव कुमार लोहिया** युवाओं के लिये कालजयी सीख	२७
• विविध – कविता	२८
• नए सदस्यों का स्वागत	३६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com

◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

संपादक : संतोष सराफ ◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा

सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

संस्कार संस्कृति चेतना – एक मौलिक कार्यक्रम

– सन्तोष सराफ

सितम्बर माह से त्यौहारों का सिलसिला प्रारंभ होने जा रहा है। इस माह के अंतिम सप्ताह में दुर्गापूजा, नवरात्रि का पालन करेंगे। नवरात्रि पूरे देश का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। सभी प्रदेशों में किसी न किसी रूप में इसका पालन होता है। पश्चिम बंगाल में इसे दूर्गापूजा के रूप में मनाया जाता है। समाज विकास के सभी पाठकों को इस अवसर पर मैं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

इस माह मुझे सम्मेलन के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम 'संस्कार-संस्कृति चेतना' में भाग लेने का अवसर मिला। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि मेरा अनुभव सुखद रहा। इस कार्यक्रम के माध्यम से देश के युवाओं को अपने देश के मौलिक ज्ञान के माध्यम से उनमें चरित्रनिर्माण के बीज रोपे जाते हैं। साथ ही साथ भारत की श्रेष्ठता के विषय में बताया जाता है। यह एक संतोष एवं गर्व का विषय है कि यह कार्यक्रम सम्मेलन के द्वारा पिछले दो वर्षों से अनेक विद्यालयों में आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम का सूत्रपात सम्मेलन के द्वारा किया गया एवं यह सम्मेलन का मौलिक कार्यक्रम है।

अक्टूबर माह में हम हमारा प्रमुख त्यौहार दीपावली मनायेंगे। आगामी २१ अक्टूबर २०१७ को जी.डी. बिड़ला सभागार में दीपावली प्रीति-सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सम्मेलन के आमंत्रण पर सुश्री राजश्री बिड़ला विशेषकर मुंबई से कार्यक्रम में भाग लेने पधारेंगी। यह सम्मेलन एवं समाज के लिए गर्व का विषय है। सुश्री बिड़ला समाज कल्याण के लिए समर्पित व्यक्तित्व है। समाज में अपने लोकोपकारी कार्यों हेतु उनका विशिष्ट स्थान है।

गतवर्ष के राजस्थानी व्यक्तित्व पुरस्कार से उन्हें सम्मानित करते हुए सम्मेलन स्वयं को गौरवान्वित करेगा। मैं सभी समाजबंधुओं से आग्रह करुँगा कि २१ अक्टूबर को अधिक से अधिक संख्या में सभा स्थल में पधारकर कार्यक्रम की गरिमा में श्रीवृद्धि करें। वर्तमान सत्र में सम्मेलन की गतिविधियाँ अबाध रूप से आगे बढ़ रही है। इसमें समाजबंधुओं का योगदान प्रशंसनीय है।

चिट्ठी आई है

बुजुर्गों की देख-भाल

मैं समाज विकास के माध्यम से समाज के बुजुर्गों के लिए एक आवेदन प्रस्तुत करना चाहता हूँ।

उम्र के अन्तिम पड़ाव में बुजुर्ग व्यक्ति अकेला पड़ जाता है। घर के लोगों को उनका बात-बात में टोकना गवारा नहीं होता है। धीरे-धीरे वह अपने को उपेक्षित महसूस करने लगता है एवं सोचने का ढंग भी नकारात्मक हो जाता है।

हमें अपनी सामाजिक संस्थाओं में उनके सेवानिवृत जीवन काल में उनके आमोद-प्रमोद, टहलने-बैठने के लिए एक अलग स्थान बनाना चाहिए। संस्था के पास रेस्तरां हो तो इनके खान-पान की व्यवस्था स्वाद के हिसाब से हो तो वहाँ वह अपनी इच्छापूर्ति कर सकते हैं। संस्था में एक योग्य योगा शिक्षक हो तो वह उनका सामान्य व्यायाम द्वारा रक्तचाप, सुगर, शारीरिक दर्द इत्यादि का इलाज कर सकता है। उपर्युक्त व्यवस्था से समाज में शान्ति-भाव बढ़ेगा, बुजुर्गों का मन बेहतर होगा। उनका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।

– **सन्दीप कुमार झुनझुनवाला**, रानीगंज

महाराणा प्रताप : विश्व के श्रेष्ठ देशप्रेमी वीर

विगत जुलाई २०९७ के 'समाज विकास' अंक में 'वियतनाम और महाराणा प्रताप' शीर्षक जानकारी पढ़कर मन हर्षित हो गया। धन्यवाद! हमारे देश के कुछ धर्मनिरपेक्षतावादी इतिहासकार राणाप्रताप की वीरता तथा देशप्रेम को विशेष नजर से नहीं देखते। जबकि विदेशी राष्ट्रनेताओं ने सबकी आँखे खोल दी। अंत में एक इतिहास अनुरागी के हिसाब से राष्ट्रसंघ को अनुरोध करता हूँ – भारत तथा विश्व के गर्व राणाप्रताप को "विश्व का श्रेष्ठ देशप्रेमी वीर" (The Greatest Patriot Hero of the World) घोषित करें।

– **राज कुमार जाजोदिया**
उत्तर दिनाजपुर (प. बंगाल)

मायड़ भासा मारवाड़ी

समाज विकास क जून अंक में संपादक सन्तोष सराफ की इण पंक्तिया सूं म्हानो लेख सरू हो रे यो है। "पाठकों से अनुरोध करूंगा कि वे अपने घरों में एवं आसपास के बच्चों को राजस्थानी भाषा की रचनाएँ पढ़ने के लिए प्रेरित करें।"

उबा रे ओ विचार मन नै झूगो। आज अचनक री बात आहै क राजस्थानी पढ़णी तो दूर बोलतां लज आवें। आज बंगाल में रैणियों अंग्रेजी, हिन्दी और बंगला बोल कर आपरो काम काज धडल्ले सूं चला रयो है। कठै ही राजस्थानी बालणों रो काम बोनी। और तो ओर धरां टावरां सागै जी मारवाड़ी बोलनै में सरम करैं। अका टावर मारवाड़ी यें बात करैं वै पिछड़्या क़ुआबै। पैली बात तो आ है क राजस्थानी पठवौ मूं पैली बालवौ री शिक्षा ही जाहै। अे मां बाम रो काम है।

पिलाणीं में अेकर म्हे घनश्यामदास जी बिड़ला सूं मिलण गयो। मैं मास्टर थो इन वास्तै म्हे हिन्दी बोलनों सरू कर दियो। बिड़लाजी पूछी, तू कहै को है? म्हे बोल्यो म्हे तो पिलाणीं रो हूं तो बिड़लाजी बोल्या, तनै मारवाड़ी बोलण में अटपटो लागैहे तै, मारवाड़ी बोले! म्हानै घणीं सरम आई अर उन रिब सूं भोजन खाई बै मारवाड़ो बिखांया अर बोलेंगा। ओ ही कारण है के आज म्हारी पत्रिका बिबजारो लारँतै ३८ सालों सूं बिना रूके राजस्थानी यात्रा कर रे यो है।

आपा मारवाड़ी भाई दस री आब बान अर स्थान हो। आज आपणों धणस्वरो पीतो समाज कै हित में लाग रैयो है। शिया, चिकित्सा, धार्मिक कामां में आपणों योगदान सारो संसार जातै है। फेर आपां आपणों मायड़ भाषा ने हीण क्यूं समझा। ओएं बो ज्यूं मारवाड़ी धड़ल्ले सूं क्यूं नीं बोलां।

जब नयो पठणै री बात! लेगां री सिवायत है कि राजस्थानी समज में नीं आबै! रै भाई पढ़ो तो सरी, थे तो राजस्थानी पत्रिकावो अर पोथियां के हाथ ही कोनी लगावों, या दयनीय स्थिति है। बिया तो राजस्थानी री गिलती की पत्रिका ही पूरै देस में निकलै है। पण इण पत्रिकावो वै अछूत कदी तरा मान कर हाथ ही बोली लगावां। कितावां नै तो जाणधो जै पत्रिकावां नै ही संरक्षण हो तो भासा को कल्याण हो सबै है। आज कम से कम ४०-५० पत्रिका ही राजस्थानी में निकले हैं। जिण में जागबी जाते, माणक, राजस्थनी, नैणसी अर बिणजारों आई प्रभुत्व अर पुराणो है। मारवाड़ी सम्मेलन इण पत्रिका वां की १००-१०० प्रतियां खरीदे अर आपरे सदस्यां में वितारित करे तो यो प्रयास सरावण जोज होज्या। पत्रिका वां नै सौभांग मिले अर राजस्थानी रै पठन पाठन रो रस्तो सुगल बणै। आयां मारवाड़ियां नै मिल बैठ कर सोचणों चाये बै बिना भासा वे संस्हाते अर सभ्यता सुरक्षित कोनी रैय सवै। जै भासा बयाणी है तो आधं नै भासा नै प्रोत्सान दलों पड़ैगो नी तो आपणों भासा धीरै धीरै लुप्त हो चालो। आज दुनियां री सैकड़ो भासा लुप्त होणी है।

आपां राजस्थानी दी देखभाल नी करांगा तो कोई भी इण राती माती भासा नै कोनी आदरै अर धीरै धीरै भासा में रूयि कमती रैली रैली अंक दम गायब हो जासी।

मारवाड़ी सम्मेलन रो ओ दायित्व बणै नै वै भासा नै

लेंर आगै आवै अर इब भासा री मान्यता खातक संघर्ष करै तो भासा को बधयो हो वैगो। कदै भी आपां भेला बैहां तो ओ प्रणल्यां –

राजस्थानी पठागां, राजस्थानी बालांगा अर आपणै थराँ आपणी मायड़ भासा बलांगा।

– **नागराज शर्मा**, पिलानी (राज.)

समाज विकास पत्रिका का जून २०१७ अंक देखने को मिला। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध संवन्धी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित करना समाज सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शराब ही समस्त अपराधों की जननी है। शराब के नशे में व्यक्ति अपना होश खो देता है और तरह-तरह के अपराध कर बैठता है। अब बारी युवा वर्ग की है जो मद्यपान निषेध को लागू कर समाज का मान बढ़ाये।

मारवाड़ी सम्मेलन इस पुनीत प्रस्ताव के लिए बधाई का पात्र है।

अध्यक्षीय में श्री प्रह्लाद राय अगरवाला एवं 'क्या मद्यपान उचित है?' में श्री शिव कुमार लोहिया ने समाज और देशहित में उचित विचार रखे हैं। समाज को उनके विचारों का स्वागत करना चाहिए।

सीकर नागरिक परिषद एवं सीकर जिला वेलफेयर ट्रस्ट ने समूचित मूल्य पर विवाह करवाने का बीड़ा उठाया है, जो स्वागत-योग्य है।

– **विश्वनाथ सिंहानिया**, जयपुर

अब विवाह में नहीं नाचेंगी अग्रवाल समुदाय की महिलाएं

प्रदेश में अब अग्रवाल समुदाय की महिलाएँ किसी विवाह कार्यक्रम में घोड़ी के आगे नहीं नाचेंगी। ऐसा करने पर अग्रवाल समुदाय के सबसे बड़े संगठन अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन ने रोक लगा दी। यह रोक भी किसी और ने नहीं बल्कि इस संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल शरण गर्ग ने लोगों की माँग पर लगाने का काम किया। अगर किसी विवाह समारोह में घोड़ी के आगे अग्रवाल समुदाय की महिलाएँ नाचती हैं तो उन पर जुर्माना ठोका जाएगा। यह फैसला पूरे देश में लागू किया जाएगा। फैसले पर अमल और इसका उल्लंघन करने वालों पर नजर रखने और कार्रवाई के लिए मंडल स्तर पर कमेटियों का गठन किया जाएगा।

यह बड़ा और ऐतिहासिक फैसला २५ जून २०१७ को जींद की अर्बन एस्टेट कालोनी की जाट धर्मशाला में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम में लिया गया।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा लिया गया यह निर्णय स्वागत योग्य है और मैं उनके द्वारा समाजहित में उठाये गए इस कदम की हृदय की गहराइयों से सराहना करता हूँ।

समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी के सदस्य निश्चय ही बधाई के पात्र हैं। आगे भी वे समाज में फैली हुई कुरीतियों व कुप्रथाओं के उन्मूलन हेतु सकारात्मक कदम उठाएँ, जिससे समाज की गरिमामय छवि को चार लगें।

शुभकामनाओं के साथ,

– महादेव प्रसाद अग्रवाल

राष्ट्रपति श्री कोविंद से भेंट

समाज विकास का जुलाई २०१७ अंक मिला, पढ़कर अति प्रसन्नता हुई। हमारे अध्यक्ष प्रह्लाद राय अगरवाला का अध्यक्षीय वक्तव्य देश के नये राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविंद को बधाई के रूप में बहुत पसन्द आया। सम्मेलन के स्थापना दिवस दि. २५ दिसम्बर २०१६ को स्थापना दिवस के अवसर पर माननीय राष्ट्रपति (उस समय बिहार के राज्यपाल) पधारे तो कलामंदिर वाले समारोह में मैं भी शामिल था। महामहिम की सादगी, सरलता तथा उनके सारगर्भित वक्तव्य से मैं भी बहुत प्रभावित हुआ। हम सबको यह जानकर अति खुशी हुई है कि हमारा अति प्रिय व्यक्ति देश का राष्ट्रपति चुना गया।

हमारे अध्यक्ष महोदय ने अपने अध्यक्षीय लेख में आशा की है कि भविष्य में भी हमें उनका मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त होता रहेगा। मेरे विचार से हमें जल्दी ही अपनी आशा को कार्यरूप में परिणत करना चाहिये। आपको शायद मालूम होगा कि ५ फरवरी से १५ मार्च तक राष्ट्रपति भवन का मुगल गार्डन सामान्यजन के देखने के लिये प्रतिवर्ष खोला जाता है। हम अभी से इस अवधि के बीच एक डेलीगेशन के रूप में उनसे मिलने का कार्यक्रम क्यों न बनायें। १०-१५ व्यक्ति का डेलीगेशन रहेगा उसके साथ हम अपने अन्य सदस्यों को सूचित कर दें कि महामहिम राष्ट्रपति महोदय से मिलने हमारा डेलिगेशन जा रहा है। उस समय आपलोग भी मुगल गार्डन के बहाने राष्ट्रपति भवन देखने आ सकते हैं। मुगल गार्डन उस समय आम जनता के लिए खुला रहता है और रोज हजारों की संख्या में दर्शक उसका लाभ लेते हैं। अतः हमारे सौ या उससे अधिक सदस्य भी वहाँ पहुँचते हैं तो कोई मुश्किल पैदा नहीं होगी। डेलीगेशन में शामिल महानुभाव राष्ट्रपति जी से मिलेंगे और हम साधारण जन राष्ट्रपति भवन के प्रमुख गार्डन का नजारा देखेंगे। हमारे सदस्यों को राष्ट्रपति भवन देखने का सुनहरा एवं दुर्लभ मौका है वह आप सब के प्रयत्न से सुलभ हो सकता है।

मेरा एक बार फिर निवेदन है कि आप इस विषय में गंभीरता से विचार करते हुये इस योजना को मूर्तरूप दें।

इस बहाने हमारे बहुत से आदमी राष्ट्रपति भवन को भी देख लेंगे और कोविंदजी के दर्शन करने का सौभाग्य भी उन्हें मिल जायेगा।

– नरेन्द्र धानुका, कोलकाता

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखाओं एवं सदस्यों से पुरस्कारों हेतु मनोनयन का अनुरोध

रामनिवास आशारानी लाखोटिया राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं दिल्ली की समाजसेवी संस्था 'रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट' के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को समाज के प्रति विशिष्ट योगदान हेतु सम्मानित करने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८३वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१७, के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं १,००,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम रूँगटा की स्मृति में राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु राजस्थानी साहित्यकारों को देने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गई है। यह सम्मान सम्मेलन के ८३वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१७, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी स्व.केदारनाथ कानोड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. भागीरथी देवी की स्मृति में राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८३वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१७, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से उक्त सम्मानों हेतु उपयुक्त व्यक्ति/संस्था का नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय [४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७; दूरभाष : (०३३) ४००४४०८९; ई-मेल : aimf1935 @gmail.com] को ३० सितम्बर २०१७ तक भेजने का सादर अनुरोध है।

FREE SCHOLARSHIP

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

Invites application from the meritorious and needy students of the society for scholarships to pursue Post Graduate Higher Education in the fields of Engineering. Technical, Civil Services, Medicine, Management etc.

Eligibility : (A) Meritorious student with excellent academic record between the age of 17-25 years and having secured admission in a recognized educational institution purely on the basis of merit. (B) Annual income of the parents of the candidate should preferably be less than Rs. Three Lakh.

Procedure : (A) Application with details of past academic records, proof of admission, parent's income/ along with passport size photograph may be submitted duly recommended by any branch of Marwari Sammelan/Associated Organisations. (B) The Scholarship payable per student per year will be a maximum of Rs. Two Lakh only. (C) One or two scholarships per academic year is reserved for girl students.

Please apply to : Chairman, Higher Education Committee, All India Marwari Sammelan
4B, Duckback House (4th Floor)
41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017
Phone & Fax : (033) 40044089, e-mail: aimf1935@gmail.com

अध्यक्षीय

जी.एस.टी. की परेशानी पर सरकार ध्यान दें

– प्रह्लाद राय अगरवाला

अपने समाज में व्यवसाय में लोग ज्यादा है। इसमें छोटे, मझोले एवं बड़े व्यवसायी सभी शामिल है। गत जुलाई माह से पूरे देश में जी.एस.टी. लागू हो गया है। कई वर्षों तक रुके रहने के बाद वर्तमान सरकार के भागीरथ-प्रयत्नों के कारण आखिरकार यह प्रभावी हो गया है। जी.एस.टी. के लिये कहा जा रहा है कि यह बड़े उद्योग के लिए जहाँ हितकर साबित होगा, छोटे एवं मझोले व्यवसायी को कुछ असुविधा झेलनी पड़ सकती है। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि इसका असर पूरे कारोबार पर पड़ा है। कम्पनियों की बिक्री घट रही है। विकास दर में भी गिरावट आई है। सरकार से निवेदन है कि इसका तुरन्त हल निकाले ताकि व्यवसायियों की परेशानियाँ भी दूर हों एवं अर्थव्यवस्था की गति भी तीव्र हो। इसी में देश की तरक्की नीहित है। साथ ही व्यवसायियों में जाने अनजाने एक ऐसी सोच पनप रही है कि भ्रष्टाचार के लिए एक विशेष वर्ग को ही जिम्मेदार समझा जा रहा है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कई बार दोहराया है कि भ्रष्टाचार उन्मूलन उनका महत्वपूर्ण मुद्दा है एवं इसमें वे किसी प्रकार का समझौता नहीं करेंगे। यह एक स्वागतयोग्य कदम है। देश के सिर्फ व्यापारियों को ही नहीं बल्कि सभी वर्गों को बदलते हुए हालात के साथ तारतम्य बैठाते हुए आगे बढ़ना होगा। मुझे विश्वास है कि हमारा समाज भी नये परिस्थितियों के अनुसार अपने को ढालेगा। यह लचीलापन हमारे समाज की मौलिक थाती है। मुझे आशा है कि वर्तमान असुविधाओं से सरकार हमें जल्द ही बाहर निकालेगी।

इस माह अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने ज्ञान भारती विद्यापीठ के संयुक्त तत्वाधान में 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को हमारे गौरव से परिचित करवाया जाता है। साथ ही साथ विदुर नीति, चाणक्य नीति, गीता आदि के मौलिक रचनाओं के मर्म से युवाओं को अवगत कराया जाता है। यह एक अत्यंत ही सफल आयोजन रहा। मैं सभी प्रांतीय शाखाओं से अनुरोध करूँगा कि वे इस कार्यक्रम को प्रत्येक शहर, प्रत्येक गाँव में आयोजित करें। इस प्रकार के कार्यक्रमों के दूरगामी असर होते हैं। देश का भविष्य हमारे युवा है। देश की वास्तविक, गौरवशाली प्राचीन जानकारी से उनको अवगत कराना, हमारी जिम्मेदारी है। अगर युवा वर्ग में देश के प्रति, हमारे गौरवशाली अतीत के प्रति एक सकारात्मक भावना पैदा कर दी जाय एवं अगर वे देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो जाय तो, देश की प्रगति में बहुत सी बाधाएँ अपने आप दूर हो जायेंगी। साथ ही साथ चरित्र-निर्माण के द्वारा राष्ट्र-निर्माण का कार्य सहज हो जायेगा। सभी समाजशास्त्रियों का मानना है कि हिंसा, नफरत, द्वेष भ्रष्टाचार आदि को सरकारी बल के द्वारा पूर्ण रूप से नहीं रोका जा सकता। इसे रोकने के बजाय ऐसी परिस्थिति पैदा करनी होगी ताकि ऐसे नकारात्मक सोच का जन्म ही नहीं हो।

सभी पाठकों को सम्मेलन एवं मेरी ओर से आसन्न दुर्गापूजा के अवसर पर अनेकानेक बधाईयाँ। माता जगदम्बा से प्रार्थना है कि आपके जीवन को सुख-सम्पत्ति, धन-धान्य एवं शांति-सौहार्द से भर दे!

सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा

सक्रिय प्रयासों के आए सकारात्मक परिणाम

वर्तमान सत्र में बने ढाई हजार नये सदस्य

तीस सामाजिक संस्थाएँ सम्मेलन से जुड़ीं

मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत गठित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा शुक्रवार, २५ सितम्बर २०१७ को डकबैक हाउस, कोलकाता स्थित सम्मेलन कार्यालय सभागार में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। श्री अगरवाला ने सर्वप्रथम सभी उपस्थितों का स्वागत किया और कहा कि संगठन के कार्यकलापों को विस्तारित करने तथा मजबूती प्रदान करने हेतु शुरू किए गये सदस्यता-विस्तार अभियान को सफलता मिल रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान सत्र में केन्द्रीय कार्यालय एवं प्रान्तीय शाखाओं द्वारा कुल मिलाकर करीब ढाई हजार नये सदस्य बनाये गये हैं। कोलकाता स्थित सामाजिक संस्थाओं में से भी तीस ने सम्मेलन की सम्बद्धता

ग्रहण की है। श्री अगरवाला ने सक्रिय सदस्यता-विस्तार हेतु झारखंड, बिहार, ओडिशा एवं पूर्वोत्तर प्रादेशिक शाखाओं की सराहना की। उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों से भी सदस्यता-विस्तार में सहयोग का आह्वान किया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि सम्मेलन के सदस्यता-विस्तार एवं अन्य कार्यक्रमों/गतिविधियों में वर्तमान सत्र में सक्रियता बढ़ी है और अच्छे परिणाम भी प्राप्त हुए हैं, यह अत्यंत हर्ष का विषय है। उन्होंने 'महामंत्री की रपट' की प्रशंसा की एवं साथ ही, भविष्य हेतु, इसके कतिपय बिन्दुओं में संशोधन का सुझाव दिया। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि अपेक्षित संशोधन शीघ्र कर लिए जायेंगे।

श्री शर्मा ने मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत के गठन को एक सामयिक एवं आवश्यक कदम बताया। महापंचायत की संरचना का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि **श्री सुदर्शन कुमार बिड़ला, श्री बृजमोहन खेतान** एवं **श्री रघुनन्दन मोदी** इसके परामर्शदाता होंगे तथा **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** चेयरमैन होंगे और **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री सीताराम शर्मा, डॉ. जुगल किशोर सर्राफ, श्री महेन्द्र कुमार जालान, श्री बालकृष्ण डालमिया** एवं **श्री बसंत कुमार झँवर** महापंचायत के सदस्य होंगे। **श्री नंदलाल रुँगटा, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री संतोष सराफ** एवं सांसद **श्री विवेक गुप्त** महापंचायत के विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। श्री रघुनंदन मोदी को संयोजक एवं **श्री संतोष सराफ** को सह-संयोजक मनोनीत किया गया है।

श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि वर्तमान में वार्षिक साधारण सभा का कार्यवृत अगली वार्षिक साधारण सभा में प्रस्तुत किया जाता है, यह अवधि बहुत लम्बी है। उन्होंने

प्रस्ताव रखा कि वार्षिक साधारण सभा का कार्यवृत साधारण सभा के बाद आयोजित होने वाली पहली राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में विचारार्थ रखा जाये। सभा ने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया।

सम्मेलन की पिछली वार्षिक सभा (२४ सितम्बर २०१६; कोलकाता) का कार्यवृत्त सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने पिछली सभा के बाद के सम्मेलन के कार्यकलापों पर 'महामंत्री की रपट' एवं भावी कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया।

सम्मेलन की वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** ने, परीक्षकों द्वारा जाँचे गये, वित्तीय वर्ष २०१६-१७ के सम्मेलन के 'आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र' प्रस्तुत किया। सदस्यों द्वारा जिज्ञासा प्रकट करने पर उन्होंने कतिपय आर्थिक बिन्दुओं पर प्रकाश डाला एवं सदस्यों के प्रश्नो का निवारण किया। विचार-विमर्श के क्रम में निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री गोपाल अग्रवाल** ने सुझाव दिया कि सम्मेलन का खाता 'करेंट अकाउंट' के बजाय 'सेविंग अकाउंट' में रखना चाहिए। विचार-विमर्श के बाद 'आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतलन पत्र' सर्वसम्मति से पारित हुआ।

कार्यसूची के अनुसार **श्री पी.के. लिल्हा** को अगले साधारण सभा तक के लिए लेखा परीक्षक बनाए रखने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।

अंत में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया और सभा संपन्न हुयी। सभा में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार**, संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका**, संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री दिनेश जैन** एवं **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका**, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री भानीराम सुरेका**, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नन्दकिशोर अग्रवाल**, महामंत्री **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल**, **सर्वश्री प्रयागराज बंसल, राधाकिशन सफ्फड़, रामनिवास शर्मा 'चोटिया', कान्तिचन्द्र गोयनका, द्वारका प्रसाद गनेड़ीवाल, जी. एल. पारीक, प्रेमचन्द सुरेलिया, रतनलाल अग्रवाल, बिनोद कुमार अग्रवाल, राजेन्द्र प्रसाद सुरेका, श्रीगोपाल झुनझुनवाला, रमेश कुमार बुबना, के.एस. भंसाली, संजय शर्मा, राजकुमार गुप्ता, अमित मुँधड़ा, राजेन्द्र राजा, बृजमोहन अग्रवाल, नंदलाल सिंघानिया, रवि लोहिया, गोबिन्द अग्रवाल, केशव चाण्डक, जयकिशन झँवर, चन्द्रशेखर सारडा, प्रकाश किल्ला, सुरेन्द्र कयाल, पीयूष केयाल, शिव कुमार अग्रवाल, महेन्द्र कुमार पोद्दार, नारायण प्रसाद अग्रवाल, अशोक पुरोहित, महेन्द्र गुप्ता, दिनेश कुमार जैन, सुरेश अगरवाल, जे.आर भदानी, जे.पी. अग्रवाल, एस.एम. शर्मा, सांवरमल लोहिया, गोकुल मुरारका एवं श्री एस.के. मोदी** आदि उपस्थित थे।

१५ सितम्बर २०१७ को आयोजित वार्षिक साधारण सभा के अवसर पर उपस्थित पदाधिकारी सदस्यगण

टूटते परिवार, गिरते मूल्य एवं चट विवाह, पट तलाक के सन्दर्भ में

"मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत" का गठन : बिड़ला, खेतान एवं मोदी सलाहकार होंगे

सामाजिक-नैतिक मूल्यों के गिरावट के इस दौर में एक भौतिकवादी एवं भोगवादी अप-संस्कृति का जन्म हो रहा है, जिसने मनुष्य को स्व-केन्द्रीय बना दिया है। वह स्वतंत्र, स्वच्छंद एवं मनमर्जी का जीवन केवल अपने सुख के लिये जीना चाहता है, उसे पारिवारिक बंधनों, संयुक्त परिवार, समाज की परवाह नहीं है। जीवन के तराजू पर तौलता आज का समाज केवल टकाधर्म में विश्वास करता है। कोई भी खुलकर नहीं बोलना चाहता है, सभी अपने छोटे-मोटे स्वार्थ के चलते मूक एवं पंगु बन गये हैं। एक समय था जब समाज में ऐसे व्यक्ति थे जो मुँह पर कहने का साहस रखते थे कि 'तुम गलत हो, समाज यह बर्दाश्त नहीं करेगा'। वे समाज के पंच थे, आज हमारा समाज 'पंचहीन' हो गया है। सभी काँच के घर में पत्थरों से डर कर बैठे हैं।" उक्त विचार **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन** द्वारा हाल ही में आयोजित एक परिचर्चा में समाजचिन्तक सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने व्यक्त किये।

मारवाड़ी समाज में एक समय पंचायत की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे कई उदाहरण हैं – १९१२ के आसपास की बात है – **कालीप्रसाद खेतान (केपी)** को उच्च शिक्षा के लिये लन्दन भेजने का प्रस्ताव **घनश्यामदास बिड़ला** एवं **जमुनालाल बजाज** ने दिया। रूढ़िवादियों ने इसका विरोध किया। समाज की पंचायत बुलाई गई। तीन शर्तो पर – विशुद्ध शाकाहारी रहेंगे, अपने साथ रसोइया लेकर जायेंगे एवं महिलाओं के सम्पर्क में नहीं आयेंगे – **केपी** को अनुमति मिली। बैरिस्टर बनकर वापस लौटने पर भव्य स्वागत हुआ, लेकिन समाज के ही रूढ़िवादी दल ने **केपी** को जाति-बिरादरी से बाहर निकालने का प्रस्ताव दिया। मारवाड़ी पंचायत के हस्तक्षेप से प्रायश्चित के लिये तीर्थयात्रा करने के उपरान्त **केपी** को समाज द्वारा स्वीकार किया गया। एक समय था जब समाज का सम्पन्न वर्ग समाज सुधार के कार्यो में सक्रिय दिलचस्पी लेता था। यह हर्ष का विषय है यह वर्ग अब पुनः सम्मेलन के साथ जुड़ रहा है। अतीत में पंचायत की बड़ी शक्ति रही है। एक दिलचस्प घटना १०० वर्ष पूर्व १९१७ की है। कलकत्ता में बड़ी चर्चा थी कि घी में चर्बी मिलाई जाती है। **मारवाड़ी एसोसियेशन** ने घी व्यवसायियों को बुलाकर पूछताछ की लेकिन सबने मना कर दिया। एक दिन प्रातः **सर्वश्री सर हरिराम गोयनका, रायबहादुर शिवप्रसाद झुनझुनवाला, रायबहादुर विश्वेसरलाल हलवासिया, रंगलाल पोद्दार, जयनारायण पोद्दार, दौलतराम चोखानी, रामदेव चोखनी** दल बाँधकर घी के व्यवसायियों के यहाँ पहुँचे एवं प्रत्येक दूकान-गोदाम से एक-एक पीपे नमूने के लिये ले गए। जाँच से पता चला उसमें चर्बी या मूँगफली के तेल की मिलावट थी। महापंचायत बुलाई गई और सबके खातों की जाँच हुयी। जुर्माने किए, जाति-बहिष्कृत किया गया। ७,५०० रुपये जुर्माने स्वरूप प्राप्त हुए। इन रुपयों से वृन्दावन में गोचर भूमि खरीद ली गई। पंचायत की शक्ति का संभवतः यह सबसे पुराना एवं अद्‌भुत नमूना है, जिसमें समाज के उस समय के सबसे सम्पन्न व्यक्ति समाज सुधार एवं पंचायती से जुड़े हुए थे। आज पुनः सम्पन्न वर्ग समाज सुधार से जुड़ रहा है, यह एक शुभ लक्षण है।

उक्त सन्दर्भ में मारवाड़ी समाज का हर वर्ग – गरीब, मध्यम, यहाँ तक की सम्पन्न वर्ग भी इस गिरावट पर चिन्तित है। **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन** द्वारा व्यापक विचार-विमर्श के उपरान्त एक **"मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत"** के गठन का निर्णय लिया गया है। पंचायत के सलाहकार के रूप में समाज के वरिष्ठ एवं लब्धप्रतिष्ठित **श्री सुदर्शन कुमार बिड़ला, श्री बृजमोहन खेतान** एवं **श्री रघुनन्दन मोदी** ने स्वीकृति प्रदान की है।

पाँच-छः दशकों के अन्तराल के बाद सम्मेलन के संविधान के प्रावधानों के अनुरूप गठित इस पंचायत के अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** होंगे तथा **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री सीताराम शर्मा, डॉ. जुगलकिशोर सराफ, श्री महेन्द्र कुमार जालान, श्री बालकिशन डालमिया एवं श्री बालकृष्ण झँवर** सम्मानित सदस्य होंगे। इनके अतिरिक्त विशेष आमंत्रित सदस्यों में **श्री नन्दलाल रुँगटा, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री संतोष सराफ एवं सांसद श्री विवेक गुप्ता** को मनोनीत किया गया है। **श्री रघुनन्दन मोदी** समन्वय हेतु संयोजक का भार सम्भालेंगे और श्री संतोष सराफ सह-संयोजक होंगे। इस महापंचायत के अन्तर्गत सम्मेलन की सभी १५ प्रादेशिक शाखाओं में राज्य स्तर पर पंचायतों का गठन किया जायेगा।

सम्मेलन की समाज सुधार उपसमिति ने **डॉ. जुगल किशोर सराफ** की अध्यक्षता में वर्तमान में मुख्यतः वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान एवं विवाहों में बढ़ते दिखावे, आडम्बर एवं फिजूलखर्ची पर चिन्ता व्यक्त करते हुए सम्मेलन द्वारा इन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिये समाज सुधार के कार्यक्रम हाथ में लेने का आह्वान किया है। सम्मेलन सभापति **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने सम्मेलन सदस्यों से विवाह के दिन आयोजित कॉकटेल पार्टियों में नहीं जाने की अपील करते हुए समाज से वैवाहिक कार्यक्रमों में सादगी बरतने पर जोर दिया है।

Apollo HOSPITALS

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

OWN AND GROW A RECESSION - PROOF BUSINESS WITH LONG TERM POTENTIAL

Partner with Apollo Clinic as a franchisee and join the Apollo Hospitals Group

You can start a business that:

- Is in Healthcare - Fast growing Industry
- Has minimal credit risk
- Enables you to give back to your community

Apollo Clinic will provide:

- Strong brand name support
- 360° project and operations support
- Integration with the Apollo Network

If you are prepared to invest ₹ 2.5 - ₹ 3 crore, reach out to us and know more about the Apollo Clinic opportunity at
www.apolloclinic.com/Franchisee_opportunity.aspx

Franchisee enquiries are solicited for the following locations:

Assam – Guwahati | Silchar | Jorhat | Nagaon | Tezpur
Odisha – Bhubneshwar | Cuttack | Sambalpur | **Chhattisgarh** - Raipur | Bilaspur
West Bengal – Kolkata | Asansol | Durgapur | Burdwan | Kharagpur
Bihar – Patna | Muzaffarpur | Gaya | **Jharkhand** – Ranchi | Jamshedpur | Dhanbad

To know more about setting up an Apollo Clinic, contact:
Tarun Gulati - M: +91 90002 17260 E: **tarun.gulati@apollohl.com**
Amit Keshari - M: +91 8420029966 E: **amit.k@apollohl.com**

CENTURYPLY®

CENTURYPLY® CENTURYLAMINATES® CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM® CENTURYMDF® CENTURYDOORS™

zykron FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™ NEW AGE PANELS

SAINIK PLYWOOD HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सदस्यता उपसमिति की बैठक

सम्मेलन के सदस्यता-विस्तार हेतु बनी भावी रणनीति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सदस्यता उपसमिति की बैठक सेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन कार्यालय में गत २३ सितम्बर २०१७ को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपसमिति के सह-चेयरमैन **श्री भानीराम सुरेका** ने की।

बैठक में सर्वप्रथम उपसमिति के संयोजक **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका** ने वर्तमान सत्र (२०१६-१८) में सदस्यता-विस्तार के आँकड़े प्रस्तुत किए और सदस्यता-विस्तार की स्थिति पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। श्री भानीराम सुरेका कहा कि सदस्यता-विस्तार में हुई संतोषजनक वृद्धि हुई है तथापि जनसंख्या में समाजबन्धुओं के अनुपात को देखते हुए और प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने सदस्यता-वृद्धि हेतु केन्द्रीय सम्मेलन से श्री बिदावतका एवं झारखंड, बिहार, पूर्वोत्तर तथा उत्कल प्रादेशिक सम्मेलनों के उल्लेखनीय योगदान की प्रशंसा की।

बैठक में राष्ट्रीय, प्रादेशिक एवं स्थानीय स्तर पर संगठन की सदस्यता बढ़ाने हेतु रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ। यह निर्णय लिया गया कि प्रादेशिक सम्मेलनों के साथ इस विषय पर नजदीकी समन्वय रखा जाये एवं उनसे इस कार्यक्रम की गति बनाये रखने के लिए अनुरोध किया जाये।

श्री बिदावतका ने गत २८ मई २०१७ को काकुड़गाछी, कोलकाता स्थित मनी कला कॉम्प्लेक्स में सम्मेलन द्वारा आयोजित सम्पर्क शिविर के विषय में बताया। **श्री संजय शर्मा** ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज के लोगों की सम्मेलन के विषय में जागरूकता बढ़ती है। सभी उपस्थितों ने इस प्रयास की सराहना की और आगे भी उपयुक्त स्थान/समय पर सम्पर्क शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

श्री भानीराम सुरेका ने कहा कि सदस्यता उपसमिति के सदस्यों और सम्मेलन के पदाधिकारियों को व्यक्तिगत स्तर पर भी सदस्यता-विस्तार हेतु प्रयास करना चाहिए और उन्हें इसके लिए सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय से समुचित सहयोग मिलना चाहिए। विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया आवश्यकतानुसार सम्मेलन कार्यालय से एक कर्मचारी इस कार्य हेतु उपलब्ध कराया जाएगा।

अंत में सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया और बैठक सम्पन्न हुई।

खासियत राजस्थान की!

- राजस्थान में बलात्कार के मामले दिल्ली के मुकाबले..... ०/१० है....जबकि आबादी दिल्ली से कई गुना अधिक!!
- दंगों में हजारों लोग यूपी में मारे गए हैं, राजस्थान मे १ भी नहीं...!!
- मर्डर रेट ०/२ प्रतिशत है, मुम्बई से...कहीं कम ही...!!
- हमें बेवकूफ समझा जाता है...तो दोस्तो, सुनो!

हमारा राजस्थान अकेले इतने सैनिक देश को देता है, जितना केरल, आन्ध्र-प्रदेश, तमिलनाडू और गुजरात मिलकर भी नहीं दे पाते...!!

- कर्नल सुबेदार सबसे ज्यादा राजस्थान से हैं!
- उच्च शिक्षण संस्थानों में राजस्थानी इतने हैं कि महाराष्ट्र और गुजरात मिलाने से भी बराबरी नहीं कर सकते।
- राजस्थान अकेला ऐसा राज्य है, जहाँ किसान कृषिसंबंधी कारणों से आत्महत्या नहीं करते जैसा की मीडिया दिखाता है क्योंकि राजस्थान में बुज़दिल नहीं, दिलेर पैदा होते है...!!
- आज भी राजस्थान में सबसे ज्यादा संयुक्त परिवार है...!!
- हम एक रिक्सा चलानेवालो को भी 'भाई' कह कर बुलाते हैं।
- हम लोगों ने कभी किसी राज्य के लोगों का विरोध नहीं किया, किसी सम्प्रदाय को नहीं दबाया।
- यूपी में दंगे होते रहते है, राजस्थान में धर्म के नाम पर कभी दंगा नहीं हुआ।
- राजस्थान में संस्कार बसते हैं! मुझे नाज है, मैं राजस्थान से हूँ। राजस्थान मेरी रगों में बसता है...!!
- ताजमहल अगर प्रेम की निशानी है।
  तो 'गढ़चितौड़' एक शेर की कहानी है।।
- कुछ लोग हारकर भी जीत जाते हैं।
  कुछ जीतकर भी हार जाते हैं।।

नहीं दिखते अकबर के तावूत कही पर भी
मगर राणा के घोड़े हर चौराहे पर आज भी नज़र आते हैं।
...क्योंकि यो है आपणों राजस्थान! सबसे अलबेलो राजस्थान!

जय राजस्थान!
म्हारो प्यारो राजस्थान!

झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन का षष्ठम प्रांतीय अधिवेशन

मारवाड़ी राष्ट्र के प्रति समर्पित : मुख्यमंत्री रघुबर दास

राष्ट्र के विकास में मारवाड़ियों का अतुलनीय योगदान : मंत्री सरयू राय

"इतिहास गवाह है कि मारवाड़ी समाज ने लम्बे समय से राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर कार्य किया है। जमनालाल बजाज, घनश्याम दास बिड़ला आदि ने महात्मा गांधी के साथ मिलकर स्वयंत्रता संग्राम के दौरान उल्लेखनीय योगदान किया। भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मारवाड़ी समाज अग्रणी रहा है।" ये उद्‌गार हैं झारखंड के जनप्रिय मुख्यमंत्री **श्री रघुबर दास** के जो उन्होंने झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के षष्ठम प्रान्तीय अधिवेशन का उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किए। अधिवेशन २-३ सितम्बर २०१७ को बिष्टुपुर, जमशेदपुर स्थित माईकल जॉन प्रेक्षागृह में पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित किया गया। राष्ट्र एवं झारखंड के विकास में मारवाड़ियों की भूमिका की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने समाज से स्वास्थ्य,

शिक्षा एवं अन्य सभी क्षेत्रों में विकास की गतिविधियों में साथ देने का आह्वान किया और साथ ही यह आश्वासन दिया कि इसमें उन्हें राज्य सरकार से प्रत्येक सम्भव सहयोग प्राप्त होगा।

निर्मल कुमार काबरा ने किया प्रान्तीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण

उद्‌घाटन समारोह में अपने स्वागत वक्तव्य में प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने सभी का स्वागत किया और अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में सक्रिय सहयोग हेतु राष्ट्रीय/प्रांतीय पदाधिकदारियों एवं सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अपने उद्‌बोधन में सांसद श्री महेश पोद्दार ने झारखंड सम्मेलन के कार्यक्रमों/गतिविधियों की प्रशंसा की और कहा कि समाज की प्रगति हेतु संगठन नितांत आवश्यक है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने अपने वक्तव्य में सम्मेलन की पृष्ठभूमि एनं उद्देश्यों पर

प्रकाश डाला। समाज में व्याप्त विसंगतियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने वैवाहिक समारोहों में मद्यपान एवं आडम्बर, बुजुर्गों के प्रति घटते सम्मान, दाम्पत्य जीवन में कटुता आदि को समाज के समक्ष चुनौतियाँ बताया और कहा कि इनका

अधिवेशन के प्रथम दिन, २ सितम्बर को प्रांतीय कार्यसमिति की बैठक एवं प्राप्त सुझावों पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें मुख्यतः दो सुझावों, पहला सुझाव सभी आजीवन सदस्यों को प्रांतीय अध्यक्ष के चुनाव में मतदान करने का अधिकार मिलना चाहिए। दूसरे सुझाव के अंतर्गत सभी प्रमण्डलों में प्रांतीय अध्यक्ष के चुनाव हेतु मत पेटी रख कर उस क्षेत्र को आजीवन सदस्यों से मतदान करवाने की व्यवस्था होनी चाहिए।

दोनो सुझावों पर प्रांतीय अधिकारियों ने गम्भीरता पूर्वक विचार-विमर्श कर इन सुझावों को केन्द्रीय समिति को अग्रसारित कर अगले प्रांतीय अध्यक्ष के चुनाव में इसे मूर्त रूप देने का आश्वासन दिया। इसके अलावा अन्य सुझावों पर भी विचार विमर्श किया गया एवं निर्णय लिये गये।

इसी दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत संध्या ७.०० बजे से अखिल भारतीय मारवाड़ी कवि सम्मेलन में राजस्थान से आये कवियों द्वारा मारवाड़ी भाषा में कवितायें प्रस्तुत की गई। यह कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा एवं सराहना प्राप्त की।

अधिवेशन के दूसरे दिन प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया द्वारा प्रातः १० बजे झण्डोत्तोलन किया गया।

अधिवेशन के दूसरे सत्र में खुला सत्र का आयोजन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखण्ड सरकार के मंत्री श्री सरयू राय एवं धनबाद के मेयर श्री चन्द्र शेखर अग्रवाल उपस्थित थे। श्री राय ने अपने सम्बोधन में राष्ट्र के विकास में मारवाड़ियों के योगदान को अतुलनीय बताया। श्री अग्रवाल ने अधिवेशन कदो अत्यंत सफल बताया और व्यवस्था की प्रशंसा की।

अधिवेशन को सफल बनाने में सर्वश्री उमेश शाह, बजरंग लाल अग्रवाल, अशोक मोदी, श्रीमती रानी अग्रवाल, अशोक खण्डेलवाल, श्रवण काबरा, अरूण गुप्ता, सुरेश सोंथालिया, संतोष अग्रवाल, पंकज छावछरिया, दीपक पारिक, रमेश शर्मा एवं जिला कार्यसमिति के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रेमलता अग्रवाल सम्मानित

१९६३ में जन्मीं श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल भारत की पहली महिला हैं जिन्होंने सात शिखरों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई सम्पन्न की है। २०१३ में उन्हें पद्मश्री से भारत सरकार ने सम्मानित किया था। २० मई २०११ को वे भारत की सबसे अधिक वयस्क महिला बन गई जिन्होंने विश्व की सबसे ऊँचाई चोटी माउंट एवरेस्ट (२९०२९ फीट) की चढ़ाई ४८ वर्ष की उम्र में पूरी की। लिमका बुक आफ रेकार्ड्स में भी उनका नाम दर्ज है।

प्रेमलता दार्जिलिंग की रहने वाली हैं। उनके पिता श्री राम अवतार गर्ग व्यवसायी हैं। वर्तमान में श्रीमती अग्रवाल टाटा स्टील में कार्यरत हैं। उनके पति श्री विमल अग्रवाल एक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

दिनांक २१ सितम्बर २०१७ को सम्मेलन के प्रांतीय कार्यालय में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अगरवाल की अध्यक्षता में हावड़ा जिला इकाई की बैठक बुलायी गयी जिसमें हावड़ा जिला इकाई कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हिस्सा लिया एवं संगठन को मजबूत करने हेतु सभी ने अपने विचार रखे। श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने सम्मेलन के भावी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए, सभी से सम्मेलन के साथ अधिक से अधिक लागों को जोड़ने का आग्रह किया और कहा कि मारवाड़ी संस्कृति को बचाने, दिग्भमित होती हमारी युवा पीढ़ी को सही मार्गदर्शन देने में सम्मेलन की बहुत बड़ी भूमिका अदा कर सकता है, हमें इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है। हावड़ा शाखा सम्मेलन की एक महत्वपूर्ण एवं सक्रिय शाखा रही है, प्रान्त के हर कार्यकर्म में हावड़ा शाखा के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हावड़ा शाखा को और अधिक मजबूत करने हेतु प्रांतीय अध्यक्ष एवं महामंत्री श्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

नंदकिशोर महेश्वरी पंचतत्व में विलीन

महेश्वरी के नाम पर पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन ने की पुरस्कार की घोषणा

पूर्वोत्तर प्रादेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) ने नंदकिशोर महेश्वरी के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। पूप्रमास द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में सम्मेलन ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके नाम पर वार्षिक पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की है। विज्ञप्ति में सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सिकरिया के हवाले से कहा गया है कि सम्मेलन हर वर्ष साहित्य, रंगमंच, पत्रकारिता एवं सांस्कृतिक जगत में विशेष योगदान देने वाले समाज के व्यक्ति को मान्यता देते हुए उन्हें नंदकिशोर महेश्वरी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित करेगा। सिकरिया ने कहा कि यह सम्मेलन की ओर से दिवंगत महेश्वरी को श्रद्धांजलि होगी। मालूम हो कि प्रख्यात साहित्यकार, फिल्मकार, पत्रकार, समाजसेवी एवं संस्कृतिकर्मी नंदकिशोर महेश्वरी का कल लखीमपुर में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से जारी विज्ञप्ति में महेश्वरी को युगपुरुष बताते हुए उनके चले जाने को समाज की अपूरणीय क्षति बताया गया है। सम्मेलन ने उन्हें समन्वय पुरुष बताते हुए कहा कि उन्होंने जीवनपर्यंत बृहत्तर असमिया समाज के गठन में अपना योगदान दिया।

छत्तीसगढ़ प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के नये मनोनीत अध्यक्ष एवं महामंत्री का संक्षिप्त परिचय

श्री पुरूषोत्तम सिंघानिया

जन्म	: १७ सितंबर १९६३
पैतृक स्थान	: सिंघाना (राजस्थान)
पढ़ाई	: एम.काम – दुर्गा कालेज, रायपुर से सन् १९८० में
विवाह	: १९८७ – सुनीता देवी से
बच्चे	: एक पुत्र व एक पुत्री
व्यवसाय	: मारूति कोल एण्ड कदारगो प्रा. लि. (कोल सप्लायर एंड ट्रांसपोर्टर) पवन पुत्र उद्योग (रिफेक्ट्री प्लांट)
पूर्व अध्यक्ष एवं सलाहकार	: मारवाड़ी युवा मंच, रायपुर शाखा
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य	: अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच
संस्थापक सचिव	: अग्रसेन जन कल्याण समिति, रायपुर
सदस्य	: रेडक्रास सोसायटी
वृहद परिचय सम्मेलन	: सन् १९९७ एवं ९८ में पूरे मारवाड़ी समाज का परिचय सम्मेलन अखिल भारतीय स्तर पर।
ट्रस्टी	: श्री रामकिंकर विचार मिशन
कार्यकारिणी सदस्य	: श्री अग्रसेन जन कल्याण समिति
सदस्य	: छत्तीसगढ़ चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज, रायपुर
कार्यकारिणी सदस्य	: अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, छ.ग. इकाई
पता : (आफिस)	: ७, सोना टावर काम्पलेक्स (देशबंधु प्रेस के सामने) श्री अग्रसेन चौक, रायपुर मोबाईल नं. ९७५५५-५७७७७ मेल : maruticoalcargo@yahoo.co.in
(निवास)	: श्रीकुंज, ४६५-वी, रास गरबा मैदान, समता कालोनी, रायपुर

श्री अमर बंसल

नाम	– अमर बंसल
पिता	– स्व. बद्रीप्रसाद जी अग्रवाल
जन्म	– २ अक्टूबर १९६८
व्यवसाय	– निजी व्यवसाय (कॉन्ट्रक्टर)
सदस्य	– राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण (छ.ग. शासन)
सदस्य	– युवा भवन AIMYM New Delhi प्रमुख
सलाहकार	– मारवाड़ी युवा मंच (रायपुर शाखा)
सामाजिक दायित्व	– **स्वच्छता एम्बेसडर**—नगर निगम रायपुर (छ.ग. शासन) R.S.S. **धर्मजागरण** कोष प्रमुख पूर्व राष्ट्रीय सहायक मंत्री AIMYM पूर्व अध्यक्ष रायपुर शाखा, MYM पूर्व अध्यक्ष अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन
संयोजक	– **मेरा गाँव मेरा देश** (एक कदम स्वच्छता की ओर)
निवास स्थान	– १५१, बंसल निवास, समता कालोनी, खाटूश्याम मंदिर के बाजू, रायपुर (छ.ग.)
सम्पर्क सूत्र	– मो० – 9425204881 ईमेल – bansalamar@gmail.com

प्रांतीय समाचार : बिहार

श्री बिनोद तोदी होंगे बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नये अध्यक्ष

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०१७-१९ के प्रादेशिक अध्यक्ष पद के चुनाव सम्मेलन की गरिमा एवं संविधान के अनुसार सभी ९ प्रमंडलीय शाखाओं में सम्पन्न कराया गया था, जिसमें कुल १४६३ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

१४६३ वोट में ७ रद्द एवं १४५६ वैध मत प्राप्त हुए, जिसमें से ७६४ श्री बिनोद तोदी एवं ६९२ मत श्री युगल किशोर अग्रवाल को प्राप्त हुए। इस प्रकार श्री बिनोद तोदी सत्र २०१७-१९ के लिए प्रादेशिक अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हुए हैं।

०३ सितम्बर २०१७ रविवार को सम्मेलन सभाकक्ष, पटना में प्रादेशिक सभा की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई, जिसमें पटना एवं बिहार की विभिन्न शाखाओं से १५२ सदस्य उपस्थित थे। बैठक में चुनाव अधिकारी द्वारा नये प्रादेशिक अध्यक्ष के निर्वाचित की घोषणा की गई।

श्री बिनोद तोदी का जीवन परिचय

श्री द्वारका प्रसाद तोदी जी के घर श्री बिनोद कुमार तोदी का जन्म १९ जनवरी १९६१ को भागलपुर में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा भागलपुर मे प्राप्त करने के बाद आप माता-पिता के साथ १९७३ में पटना आकर रहने लगे। आप चार भाईयों में सबसे बड़े है। आपकी आगे की शिक्षा पटना में ही हुई है। १९९० से आप सामाजिक कार्यों में लगे है। सम्मेलन की सदस्यता आपने १९९१ में ग्रहण की और आप सम्मेलन के संरक्षक सदस्य हैं।

आपने बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी युवा मंच के प्रादेशिक अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर काम किया।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सभी पदों पर कार्य करने का आपको अनुभव प्राप्त है। इसके अतिरिक्त रोटरी कल्ब के अध्यक्ष, रेड स्वास्तिक सोसाईटी के कोषाध्यक्ष, भारत विकास परिषद्, वन बन्धु परिषद, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद्, आध्यात्मिक सत्संग समिति जैसी अनेको संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हुए है। आपकी पत्नी श्रीमती सरोज तोदी धर्मपरायण महिला हैं। आपके दो पुत्रियाँ हैं, जिनका विवाह हो चुका है तथा एक पुत्र चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट हैं जो अमेरिकन फर्म में उच्च पद पर कार्यरत हैं।

आप सक्रिय रूप से अपने व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। साथ ही अपने सभी छोटे भाईयों एवं माता-पिता के साथ संयुक्त परिवार में रहते हैं।

आपको सामाजिक कार्यों की प्रेरणा विरासत में मिली है। आपके पिता श्री द्वारका प्रसाद तोदी बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री सहित अनेकों पदों पर कार्य कर चुके है। साथ ही अनकों सामाजिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। आपके पिताश्री श्री द्वारका प्र. तोदी जी को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा लाईफ टाईम एचीवमेन्ट एवार्ड से सम्मानित किया गया है।

चाणक्य नीति –

पुरुषार्थ

उद्योगे नास्ति दारिद्रयं जपतो नास्ति पातकम्।
मौने च कलहो नास्ति नास्ति जागरिते भयम्।।

पुरुषार्थ करने वाले के पास गरीबी नहीं आती, जप करने वाले से पाप दूर रहता है, मौन रहने पर लड़ाई-झगड़ा नहीं होता और जाग्रत व्यक्ति को भय नहीं होता।

सतत् पुरुषार्थ करते रहने वाले व्यक्ति को अन्ततः सफलता मिल ही जाती है। कहा है – 'भूति श्री हींधृतिः कीर्तिदक्षे बसति नालसे' महाभारत के शांति पर्व में बताया गया है कि ऐश्वर्य, लक्ष्मी, लज्जा, घृति और कीर्ति - ये कार्य -दक्ष पुरुष में ही निवास करतेहै, आलसी में नहीं। क्योंकि 'हितोपदेश' के अनुसार बिना उद्योग (परिश्रम) किये कोई तिल से भी तेल प्राप्त नहीं कर सकता। बिल्ली के पास खुद की पाली हुई गाय तो नहीं होती फिर भी वह पुरुषार्थ करके प्रतिदिन दूध पी ही लेती है।

'पठतो नास्ति मूर्खत्वं जपतो नास्ति पातकम्' के अनुसार अध्ययन करने वाले का मूर्खत्व और जप करने वाले का पाप नहीं रहता। वैसे 'मंत्रस्य सूलघूच्चारो जप इत्यभिधीयते' के अनुसार मंत्र का मन्द स्वर में उच्चारण करना 'जप' कहलाता है।

महत्वपूर्ण यह नही है कि आप कौनसे शब्द का, कौनसे नाम का जप कर रहे है, महत्वपूर्ण है, मन की एकाग्रता। क्योंकि एकाग्रता सिद्ध होने पर ही ध्यान का अभ्यास सम्भव हो पाता है और समाधि को उपलब्ध हुआ जा सकता हैं। मौन धारण करने से विवाह नहीं बढ़ता। धन-दौलत पर पहरा लगाने से ज्यादा अच्छा है अपनी जुबान पर पहरा लगाना क्योंकि अनावश्यक बोलकर आदमी बहुत बार पछताता है पर चुप रहकर कभी नहीं पछताता। इसी तरह जो जागृत अवस्था में रहता है उसे कभी भय नहीं लगता और बृहतकल्प भाष्य के अनुसार जागृत रहने वाला ही सदा सुखी रहता है।

– संदीप

संस्कार-संरक्षण हेतु सम्मेलन के प्रयास स्तुत्यः राजेन्द्र पंसारी

शिक्षा है प्रगति का मूलः संतोष सराफ

"आज हम अपनी संस्कृति से दूर हो रहे हैं और पाश्चात्य सभ्यता का अंधानुकरण कर रहे हैं। इन परिस्थितियों में, अपने युवक-युवतियों, किशोर-किशोरियों को अपने संस्कारों के प्रति सजग रखने के लिए चलाया जा रहा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम एक उत्कृष्ट प्रयास है। यह कार्यक्रम अत्यंत ज्ञानप्रद होने के साथ-साथ अपनी माटी से हमें जोड़े रखने में मदद करता है।" ये विचार हैं ज्ञान भारती के अध्यक्ष **श्री राजेन्द्र पंसारी** के जो उन्होंने १६ सितम्बर २०१७ को नीमतल्ला घाट, कोलकाता स्थित ज्ञान भारती विद्यापीठ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम में व्यक्त किए।

ज्ञातव्य है कि सम्मेलन द्वारा छात्र-छात्राओं और युवक-युवतियों को अपने संस्कार एवं संस्कृति के प्रति जागरूक रखने के उद्देश्य से गत कुछ वर्षों से विभिन्न विद्यालयों में 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम ज्ञान भारती के अध्यक्ष **श्री राजेन्द्र पंसारी** ने सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, सम्मेलन की 'संस्कार-संस्कृति चेतना' उपसमिति के चेयरमैन **श्री नंदलाल सिंघानिया**, ज्ञान भारती के मंत्री **श्री सुधीर पाटोदिया** आदि के साथ मिलकर दीप प्रज्ज्वलित किया और समारोह का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम का संचालन **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने अपने उद्‌बोधन में 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति के प्रति चेतना हेतु यह सम्मेलन का एक विनम्र प्रयास है। छात्रों को सम्बोधित करते हुए श्री सराफ ने शिक्षा को मनुष्य, समाज एवं राष्ट्र की प्रगति का मूल बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा न सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित है अपितु आपका नजरिया, व्यवहार, भाषा आदि भी इसके आवश्यक अंग हैं।

श्री सराफ ने कहा कि हमारी संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। विदेशी आक्रांताओं ने इसे बदलने की छिन्न-भिन्न करने की कोशिश की, किन्तु असफल रहे। हमारी संस्कृति औरों से पृथक है। समाज और राष्ट्र की सेवा को सर्वोपरि बताते हुए उन्होंने 'प्रकृति, विकृति, संस्कृति' का जिक्र किया - **स्वयं कमाना और खाना प्रकृति है; दूसरे का छीनकर खाना विकृति है तथा खुद उपार्जन कर दूसरे को खिलाना संस्कृति है।**

ज्ञान भारती के ट्रस्टी **श्री जगमोहन बागला** ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संस्कार-संस्कृति आपके अंदर विद्यमान है। अपने अंदर अच्छे एवं सबल संस्कारों को चेतन करना होगा और उन्हें जाग्रत रखना होगा। पढ़ाई में उन्होंने एकाग्रता को आवश्यक बताया और छात्रों के उज्जवल भविष्य की शुभकामना की।

कार्यक्रम में विद्यापीठ के छात्रों के बीच पहले से दिए गए विषयों पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में आठवीं से दसवीं कक्षा तक के छात्रों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता का कुशल संचालन विद्यापीठ की शिक्षिका **श्रीमती वन्दना मिश्रा** ने किया। श्रीमती मिश्रा ने भाषण प्रतियोगिता की तैयारी में छात्रों का मार्गदर्शन भी किया। भाषण प्रतियोगिता में सर्वश्री पवन तिवारी (आठवीं), अभिषेक ओझा (दसवीं), आकाश विश्वकर्मा (दसवीं) भरत व्यास (दसवीं), रोहन पुरोहित (दसवीं), गोविन्द तिवारी (दसवीं), प्रभात वर्मा (दसवीं), विशाल सिंह (दसवीं), आदित्य कुमार झा (दसवीं), अभिषेक साव (दसवीं), जसवंत सिंह (नवीं), अनिकेत सोनकर (नवीं), रोहन कुमार गुप्ता (नवीं) एवं श्री हरीश सोनी (नवीं) ने भाग लिया। आकलनकर्ताओं के निर्णय के अनुसार **श्री पवन तिवारी को प्रथम, श्री अभिषेक ओझा को द्वितीय** एवं **श्री आदित्य कुमार झा को तृतीय** विजेता घोषित किया गया और उन्हें तदनुसार पुरस्कृत किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए।

कार्यक्रम में छात्रों को स्लाइड-शो के माध्यम से भारतीय संस्कृति, धरोहरों और उपलब्धियों की रोचक एवं ज्ञानप्रद झलकियाँ विवरण के साथ दिखायी गयीं, इन्हीं

विषयों पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी (क्विज) का आयोजन भी किया गया और सही उत्तर देने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। प्रश्नोतरी का संचालन विद्यापीठ की शिक्षिका **सुश्री ईशा जायसवाल** ने किया।

कार्यक्रम के दौरान ज्ञान भारती विद्यापीठ के गोदावरी सभागार में काफी अच्छी संख्या में विद्यापीठ के छात्र एवं शिक्षक-शिक्षिकायें उपस्थित थे। प्राचार्या **श्रीमती गोपा बर्मन** सहित विद्यापीठ से जुड़े सभी ने कार्यक्रम की सफलता हेतु सक्रिय भूमिका निभाई। ●●●

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 72,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

www.srei.com

Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

Yours Tastefully
Anmol
Enjoy the fresh baked goodness
Butter Bake
2 in 1
Little Sweet
Little Salty
dream LITE
Lemon MAZAA
Marie Plus
Butter Bake
www.anmolindustries.com
Follow us on:

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

पश्चिम बंग सम्मेलन : त्रैमासिक रपट (जून-अगस्त २०१७)

१) १३ जून २०१७ को पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०१७-१९ के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल ने किल्वर स्प्रिंग क्लब, कोलकाता में आयोजित एक समारोह में अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लादराय अगरवाला एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ उपस्थित थे। श्री नन्द किशोर अग्रवाल ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि प्राथमिक तौर पर ११०० नये सदस्यों और प्रदेश में ११ नई शाखाएँ खोलने का प्रयास करेंगे। उक्त अवसर पर उन्होंने प्रादेशिक पदाधिकारियों के मनोनयन की भी घोषणा की जो निम्नवत है :

श्री गोपाल अग्रवाल	-	उपाध्यक्ष
श्री हरि किशन राठी	-	उपाध्यक्ष
श्री विश्वनाथ खरकिया	-	उपाध्यक्ष
श्री निर्मल सराफ	-	उपाध्यक्ष
श्री प्रकाश चण्डालिया	-	उपाध्यक्ष
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल	-	महामंत्री
श्री शिवकुमार अग्रवाल	-	संयुक्त मंत्री
श्री कमल जैन	-	संयुक्त मंत्री
श्री गोपी धुवालिया	-	संगठन मंत्री
श्री सुनील डोकानियाँ	-	कोषाध्यक्ष
श्री रूपक केडिया	-	सह कोषाध्यक्ष
श्री विश्वनाथ भुवालका	-	चेयरमेन, सलाहकार समिति
श्री चंद्रशेखर सारडा	-	संयोजक सलाहकार समिति

२) २८ जून २०१७ को पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के समाज सेवा कार्यक्रमों के अन्तर्गत रथ यात्रा के अवसर पर श्रद्धालुओं को शिकंजी, शर्बत और पेयजल की व्यवस्था संयुक्त रूप से स्थानीय साल्टलेक संस्कृति संसद के साथ की गई।

३) ०६ जुलाई २०१७ को प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्मेलन कार्यालय में प्रांतीय अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह से सम्बंधित निर्णय लिए गए।

४) २३ जुलाई २०१७ को पश्चिम बंग सम्मेलन द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह कलामंदिर सभागार, कोलकाता में आयोजित किया गया। समारोह में लगभग ३२५ छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने कहा कि मारवाड़ी समाज के बच्चों को अपनी भाषा के प्रति भी सम्मान रखना चाहिये। प्रांतीय अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल ने शादी विवाह में अनावश्यक दिखावा एवं मद्यपान के चलन को चिन्ताजनक बताया। प्रांतीय महामंत्री श्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने संस्था की गतिविधियों के विषय में बताया और मेधा सम्मान पर अपने विचारों से छात्र-छात्राओं को उत्साहित किया।

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

नवरात्र पर्व पर छत्तीसगढ़ के शक्ति पीठ माता बम्लेश्वरी देवी मन्दिर मे मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा आम भंडारा का आयोजन।

श्रद्धांजलि

संजय हरलालका को मातृशोक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका की माताश्री एवं सांध्य दैनिक 'सेवा संसार' के संस्थापक श्री शंकरलाल हरलालका की सहधर्मिणी धर्मपरायणा प्रेमलता हरलालका का वैकुण्ठवास गत १ अक्तूबर २०१७ की संध्या में हो गया। वे ७१ वर्ष की थीं।

२ अक्तूबर २०१७ को नीमतल्ला घाट, कोलकाता में पुत्र संजय हरलालका ने उन्हें मुखाग्नि दी। पुण्यात्मा को श्रद्धांजलि देने हेतु नीमतल्ला घाट पर सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, निवर्तमान अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार, महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया, कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, पूर्व विधायकगण श्री दिनेश बजाज एवं संजय बक्सी, पार्षद विजय ओझा सहित कोलकाता-हावड़ा के अनेक गणमान्य सज्जन उपस्थित थे।

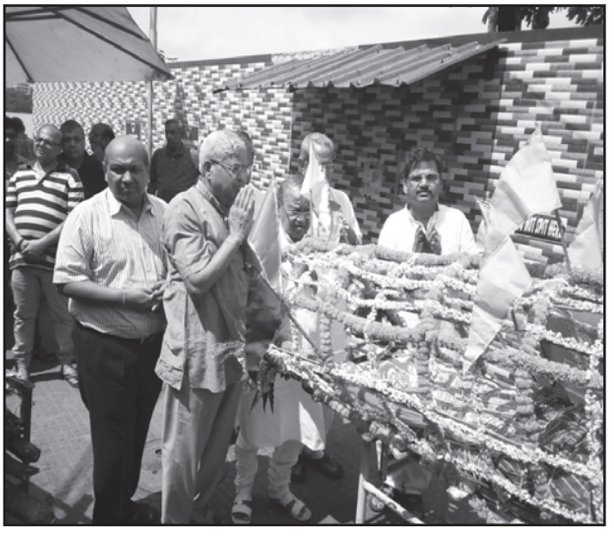

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को उत्तरोत्तर उच्च गति एवं शोकसंतप्त परिवार को धैर्य धारण करने की शक्ति दें! विनम्र पुष्पांजलि!

समाचार सार

कवि-लोकसेवक डॉ. जयप्रकाश सेठिया को सूरत में राजस्थान के संसदीय कार्यमंत्री माननीय डॉ. विश्वनाथ जी मेघवाल, बीकानेर के महापौर श्री नारायण जी चोपड़ा, 'देश और व्यापार' के संस्थापक एवं सम्पादक श्री प्रकाश जी पूगलिया, श्री रवि पूगलिया और भारतीय जनता दल के युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष श्री पुरोहित जी एवं अन्य विशिष्ठ समाजबन्धुओं की उपस्थिति में 'समाज गौरव' सम्मान से अलंकृत किया गया।

गीता अग्रवाल को मिला "विद्या शिरोमणि सम्मान २०१७"

तेलंगाना नागरिक परिषद, हैदराबाद के तत्वावधान में १२ सितम्बर २०१७ को बशीरबाग में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह के अंतर्गत शिक्षा क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले प्राध्यापकों एवं शिक्षकों का विद्या शिरोमणि सम्मान २०१७ से सम्मान किया गया।

जानकारी देते हुए श्रीमती संपत देवी मुरारका (अध्यक्ष, विश्व वात्सल्य मंच) ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री श्री पी. चंद्रशेखर, उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जी.वी. सीतापति, विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पूर्व सदस्य ई. इस्माइल, विज्ञान संकाय ओयू और बायोकेमिस्ट्री की प्रो. वैंकटरमण देवी आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्रीमती गीता अग्रवाल को विद्या शिरोमणि सम्मान २०१७ से विभूषित कर उनका अभिनंदन किया गया। इसमें शॉल, प्रतीक चिह्न, सम्मान पत्र एवं मोती माला प्रदान किया गया।

दुर्गापूजा पर विशेष

हिन्दू संस्कारों में शक्ति का प्रथम स्थान

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

सत् (सेधिनी), चिद (संविद्) और आनन्द (हलादिनी) शक्ति सदैव शक्तिमान के साथ रहती है इसी से वह शक्तिमान और नित्य युगल स्वरूप रहता है। भगवान शंकर का नारद के प्रति कथन है कि "श्री राधा प्राण की अधिष्ठात्री देवी है, जो कार्य बहुत समय तक श्री कृष्णा की भक्ति करने के बाद सिद्ध होता है वह श्री राधा की उपासना से स्वल्पकाल में ही सम्पन्न हो जाता है। उससे सिद्ध हो जाता है कि शक्ति का प्रथम स्थान है और शक्तिमान का द्वितीय स्थान है।

शक्ति क्या है? शक्ति शब्द 'शक' और 'ती' से मिलकर बना है 'शक' का अर्थ 'ऐश्वर्य' और 'ती' का अर्थ 'पराक्रम' है। सम्पूर्ण विधाओं और स्त्रियों को परमात्मा की शक्ति कहा गया है।

समस्त विश्व देश हो या विदेश दोनों ही वर्गों के वैज्ञानिक एवं दार्शनिक किसी न किसी रूप में शक्ति का उपासक है।

धारणा – शक्ति समस्त विश्व की उत्पादिका, संचालिका और संहारिका ही नहीं वल्कि पदार्थ से भिन्न रूप है। जैसे – जल को गर्म करने पर वाष्प बन जाता और ठण्डा करने पर पुनः जल बन जाता और फिर उसी जल को ठण्डा करने पर बर्फ बन जाना। इन सब कियाओं का मूल तत्व जल है सिर्फ इनकी स्थितियॉ एवं आकृतियॉ बदलती है। वर्तमान समय के वैज्ञानिक भी उसे एनर्जी नेचर, पावर आदि के नाम से जाना जाता है। शक्ति शब्द का अर्थ - विस्तार विशेषज्ञों की दृष्टि से –

(१) वैशेषिकों शरा - परमाणु शक्ति
(२) भौतिकवादीयों द्वारा – बल
(३) बौद्ध द्वारा - पूर्ण विधा
(४) योगी द्वारा - अधात्मिक शक्ति
(५) रसायनिकों द्वारा - सक्रिय अणु
(६) भैतिक वैज्ञानिकों द्वारा - उर्जा
(७) मनोवैज्ञानिकों द्वारा - उत्तेजना
(८) आदर्शवादियों द्वारा - चेतना
(९) शाक्तों द्वारा - मातृ तत्व
(१०) सांख्य योग के अनुसार - प्रकृति/पुरुष

कई शताब्दिओं के शोध के बाद वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुँचे है कि ब्रम्हाण्ड की प्रत्येक वस्तु परमाणुओ से निर्मित है। वर्तमान शताब्दि वर्ष के वैज्ञानिक आइन्सटाईन का मत है कि सृष्टि पर आत्मा और परमात्मा दोनों को हीं शक्ति माना गया है। सृष्टि का संचालन या नियंत्रण करने वाली शक्ति ही ईश्वर या ब्रह्मा के नाम से जानी जाती है। आईन्सटाईन के अनुसार विज्ञान और धर्म एक दूसरे के पूरक हैं। उनका मानना था कि धर्म के बिना विज्ञान लँगड़ा है और विज्ञान के विना धर्म अन्धा है। और अन्धविश्वास हमारा परम शत्रु है।

यदि शक्ति अदृश्य है तो वह शक्ति नहीं है या उस शक्ति का कोई अस्तित्व नहीं है। अव हम इसे उदाहरण से समझें हमें हवा दिखाई नहीं देती है परंतु हम उसे सॉस के माध्यम से, दौड़ने के माध्यम से महसूस या अनुभव करते हैं।

हमें विजली दिखाई नहीं देती है परन्तु जब हमें स्विच ऑन करते हैं तो पंखा चलने लगता है तथा अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण चलने लगता है तव हम जान पाते हैं कि उसमें विजली हैं। हम वायुमण्डल में उपस्थित ध्वनि तरंगों और विद्युत चुम्बकीय तरंगों को देख नहीं पाते हैं परंतु हम इन्हीं के माध्यम से विश्व की समस्त घटनाओं को अपने टी वी और रेडियो के माध्यम से देख व सुन सकते हैं।

अव हम भगवान के भुख से जानेंगे की शक्ति की आवश्यकता स्वयं उन्हे भी पड़ गई जैसे – शिव को शिवा शिवानी रूद्राणी, पार्वती महाकाली, श्री राम को श्री सीता, जानकी महालक्ष्मी, श्रीकृष्णा को श्री राधा, पुरुष को प्रकृति की और पति को पत्नी।

श्री कृष्णा ने राधा से कहा– जो तुम हो वही मैं हूँ हम दोनों में भेद नहीं है। जैसे - दूध में सफेदी, अग्नि में दाहिका शक्ति और पृथ्वी में गन्ध है वैसे ही मैं निरन्तर तुम में हूँ।

कृष्णा ही राधा है और राधा ही श्री कृष्णा है। वे दोनों ही एक है। वे दोनों ही एक दूसरे में सदा समाए हैं। श्री कृष्ण जगत् के पिता है और राधा आदि शक्ति भगवती माता है।

श्रीराम के बारे में वेद पुराण क्या कहते हैं?

जिस प्रकार विष्णु और शिव एक है उसी प्रकार शक्ति भी उनमें समान है। एक ही प्रेम तत्व के विभिन्न नाम हैं। जैसे शिव है वैसे ही दुर्गा है, जो दुर्गा है वही विष्णु है।

देवी विष्णु शिवा दीना मे कत्वं परिचिन्तयेत्।
भेदकृन्नरक याति गौरव नाग संशयः।।

शिव और शिवा में भेद नहीं है। भेदभाव बुद्धिश्रम के कारण होती है। भारतवर्ष के ऋषिमुनियों ने भगवान विष्णु और शिव की आराधना की और सिद्ध किया कि परमात्मा इन दोनों रूपों में प्रकाशित है। कल्पभेद में कभी विष्णु रूप की प्रधानता होती है तो कभी शिव स्वरूप की। वे अपने धर्म ज्ञान, विराग और ऐश्वर्यरूप चार गुणों के भेद से वासुदेव, संकर्षण, प्रद्युम्न और अनिरूध चार प्रकार के अभिव्यक्ति हो गये हैं। इसके अतिरीक्त चार गुणों से भिन्न तीन शक्तियॉ है – इच्छा ज्ञान एवं क्रिया भेद के कारण वारह

प्रकार की हो जाती है। यह देखना है कि मनुष्य को पाप कर्मों से बचाने के लिए शक्ति की उपासना करना वहुत जरूरी है क्योंकि विश्व की जननी शक्ति है और मां अपने बच्चों को गलती करने पर भी दाना कर देती है, यही मां का ममत्व है जो सर्व विदित है। स्त्री ही आज के युग में शक्ति है उसलिए विवाह संस्कार में निम्न वातों का ध्यान रखा जाता है–

भगवान शंकर का उग्ररूप 'रूद्र' है और शांत रूप 'शिव' है। ब्रह्मा और विष्णु के युद्ध के कारण हीं सदाशिव शिवलिंग बनकर उपस्थित हो गये। ब्रह्मा को निर्माता, विष्णु को रक्षक और शिव (रूद्र) को संहारक कहा गया है। इन तीनों को सृजक कहा गया है। शिव विष्णु है और विष्णु शिव है विष्णु के चरण से प्रकासित गंगा को शिव ने अपने जटा में समाहित कर लिया। उस कारण से भगवान कहते हैं मेरे दो नाम हैं एक 'हरि' और दूसरा 'हर'। शिव पार्वती विश्व की अनुपम जोड़ी है, शिव धर्म रूप है और पार्वती अर्थात शक्ति रूप है। शिव शक्ति एक है, जव वे एक दूसरे से अलग हो जाते हैं, शिव की शक्ति में असंतुलन पैदा हो जाती है। शिव को अर्धनारीश्वर कहा गया है। अर्धनारीश्वर रूप में आधा भाग पार्वती का और आधा भाग शिव का है। शिव को धवात्मक आवेश और शक्ति को ऋणात्यक आवेश कहा गया है उन आवेशों में उत्पन्न वल दोत्र ही माया है ब्रह्मा और व्रह्मा शक्ति महामाया में अभेद है। सांख्य दर्शन के अनुसार - पुरुष और प्रकृति को जगत का सर्वोपरि तत्व माना गया है।

महाजननी के तीन आकार –

(१) पराशक्ति के रूप में इस स्वरूप को कोई नहीं नाप सकता

(२) सुक्ष्म - अमूर्त, अव्यक्त, निर्गुण, निराकार उस शक्ति को हृदय से ध्यान करना कठिन है।

(३) स्थूल - अवस्था विशेष के कारण दो रूप

(क) पूर्ण शांत और सौन्दर्य की नीधि

(ख) पूर्णरूपेण रौद्ररुपिनि –

अव आपस में परमब्राह्म की वातों को और करें प्रत्येक व्यक्ति का अर्धभाग शिवा का और अर्धभाग शिव का है।

इतिहास महा काव्यों के उदाहरण :–

इतिहास महाकाव्य के अध्ययन से पता चलता है कि सम्पूर्ण महाभारत द्रौपदी के अपमान और रामायण सीता के अपहरण के कारण रचित है।

राधा तत्व पर एक नजर –

श्री राधा भगवान श्रीकृष्ण की सहचरी है, सामान्य तौर श्री राधा और श्री सीता में कोई अन्तर नहीं है। श्री कृष्ण स्वयं राधा है जो राधा हैं वो साक्षात् श्री कृष्ण। श्री कृष्ण और राधा दोनों व्रह्मस्वरूप है। श्री कृष्ण भगवान की निजस्वरूपा शक्ति होने के कारण सर्वदा अभिन्न है।

वेद में भी राधा तत्व का मतलव 'रा' का अर्थ त्याग और 'धा' का अर्थ पोषण होता है।

राधा नाम का महत्व इसलिए कि राधा सम्पूर्ण कामनाओं का साधन करती है। सम्पूर्ण कामनाओं को सिद्ध करती है। जब पहली वार श्री कृष्णा मॉ यशोदा के साथ राधा को देखने गये तो राधा के दिव्य नेत्रों की शक्ति को निहारने से कान्हा की वंसी हाथ से गिरी, मोरपंख और पीताम्बर अस्त व्यस्त हो गए। श्री राधा को 'गन्धवी' भी कहते हैं।

भगवान नारायण स्वयं कह रहे हैं –

हे भगवती तुम रासमण्डल में विराजमान रहती हो। तुम्हे नमस्कार है, भगवान श्री कृष्ण तुम्हे प्राणी से भी अधिक मानते है। जो पुरुष राधा देवी की अर्चना करते हैं वे भगवान विष्णु के समान ही सदा गोलोक में निवास करते है श्री राधा श्री कृष्ण रससागर है जो एक होते हुए भी शरीर से क्रीड़ा के लिए दो हो गये हैं। तुम त्रिलोक की जननी हो तुम्हे नमस्कार है। हे, जागदम्वे, तुम सरस्वती, सावित्री, शंकरी गंगा, पदमावती, अन्य विभिन्न रूपों में विराजती हो तुम्हे नमस्कार है।

राधारानी का अवतार –

मथुरा के सरोवर के मध्य में कमलपुष्प में भगवान विष्णु की अंतरंग शक्ति राधारानी पर महाराज वृषभानु और महारानी कीर्तिदा की नजर पड़ी। दिन अष्टमी पक्ष शुक्ल, नक्षत्र अनुराधा, मुहुर्त अभिजित वर्ण खेत चम्पा की आभा के समान, हाथ में कमल धारण किये सेवा – खेत चॅवर के द्वारा।

श्री राधा ही आधा शक्ति क्यों? कुछ मुख्य कारण हैं।

(क) श्री सीता जी के उपासना मंग – श्री सीतायै स्वांहां। ऋषि वाल्मिकि

(ख) श्री राधा जी के उपासना मंग – श्री राधैय स्वाहा। ऋषि वा श्री कृष्ण

२. भगवान शंकर ने भी पार्वती जी को राधा का रहस्य नहीं वताया है, भागवत में भी राधा तत्व को गुप्त रखा गया है। जैसे मेंहदी में लालिया छिपी है।

३. श्री राधा शक्ति के कारण श्री कृष्ण सगुन साकार हुए।

४. राधा शक्ति ने गोलोक का निर्माण किए।

५. राधा ने श्री कृष्ण को अनन्त सौन्दर्य एवं ऐश्वर्यों से युक्त किया।

६. श्री राधा जी के कारण सम्पूर्ण देवताओं में देवत्व दिखाई पड़ा।

७. राधा सवका रक्षण करती हैं। इसलिए गोपी कहलाती है।

८. श्री कृष्ण भी सदा सर्वदा श्री राधा की आराधना करते है, श्री कृष्ण ही राधा जगत का आधार है।

९. श्री राधा के कारण भगवान का विश्व व्यापार ाावी सृष्टि का स्थिति और प्रलय का काम होता है। श्री कृष्ण का अस्तित्व ही राधा तत्व के कारण है।

युवाओं के लिये कालजयी सीख

– शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

एक प्रसिद्ध कहावत है, "पूत सपूत तो क्यों धन संचय, पूत कपूत तो क्यों धन संचय?" इसका महत्व इसकी सारगर्भिता में है। पुत्र अगर सपूत है तो वह अपने श्रम से, अपनी बुद्धि से अपनी आजीविका चलायेगा। दूसरी तरफ अगर पुत्र कपूत होगा तो सारे छोड़े हुए धन को नष्ट कर देगा। तात्पर्य यह है कि अगर संस्कार नहीं देंगे तो पिता का कमाया हुआ धन व्यर्थ है। आज की दुनिया में जहाँ सब कुछ पैसे के तराजू पर तौला जाता है ऐसी क्या बातें हैं, जो हमारे आने वाले पीढ़ी को बताने की आवश्यकता है।

इस संवंध मे विचार करने से सर्वप्रथम अब्राहम लिंकन द्वारा अपने वेटे के शिक्षक को लिखे हुए पत्र की याद आती है। लिंकन ने लिखा था कि जीवन जीने के लिए विश्वास, प्यार एवं साहस की जरूरत होती है। उन्होंने अध्यापक से पत्र के माध्यम से अनुरोध किया कि अध्यापक महोदय मेरे बेटे को निम्नलिखित बातों की जानकारी दें –

– श्रम से कमाया हुआ एक रुपया, बिना श्रम से मिले दस रुपया से अधिक मूल्यवान है।

– उसे ईर्ष्या से दूर रहना।

– मुसीबतों से जम कर जूझना।

– किताबों के आश्चर्यलोक का ज्ञान करवाना।

– नीले आकाश मे विचरण करते हुए पक्षीसमूह के शाश्वत सत्य के वारे में जानकारी, सुनहरी धूप में गुनगुनाती मधुमक्खियों और हर पर्वत की गोद में खिले फूल को देख सके।

– ऐसा मनोबल हो कि वह भीड़ का अनुसरण न करे।

– दुख मे हँसना जाने।

– यह अहसास हो कि आँसूओं में कोई शर्म की बात नहीं।

– अपनी बुद्धि एवं बाहुबल से भरपूर कमाना सीखे।

– अपने हृदय एवं आत्मा की कीमत न लगाये।

– अधीर न होने का धैर्य और बहादुर होने का साहस हो।

– अपने आप में उदात्त आस्था रखें ताकि मानव जाति पर आस्था रख सके।

– अपने विचारों पर भरोसा रखें, चाहे सभी व्यक्ति उसे कहें कि वह गलत है।

– वह लोगों के साथ नम्र रहे, पर बड़े व्यक्तियों के साथ कडाई से पेश आए।

– असफलता में भी शान है एवं कभी-कभी सफलता में भी उदासी छिपी रहती है।

– वह सबकी सुने पर अपनी कसौटी पर कसकर ही अच्छी बातों को अपनाये।

– उसे इस बात का अहसास होना चाहिए कि इस दुनिया मे सभी व्यक्ति सही नहीं हैं, सभी व्यक्ति सत्यवादी नहीं है। पर एक तरफ जहाँ वेइमान हैं तो जगत में ईमानदार नायक भी हैं। एक चालबाज राजनीतिज्ञ के साथ-साथ समर्पित नेता भी हैं। इस जगत में मित्र भी है, दुश्मन भी हैं।

मैं एक अन्य महत्वपूर्ण पत्र का यहाँ हवाला देना चाहूँगा जिसमें, घनश्यामदास बिड़ला ने दीपावली संवत १९९१ में अपने पुत्र बसंत कुमार बिड़ला को अपने अनुभव की बातें विस्तार से लिखी थीं। उस पत्र का सार है –

– मनुष्य जन्म दुर्लभ है।

– मनुष्य जन्म पाकर जिसने शरीर का दुरुपयोग किया, वह पशु है।

– धन, तंदुरुस्ती एवं साधन का सेवा के लिए उपयोग किया तो साधन सफल हैं, अन्यथा शैतान के औजार हैं।

– धन का मौज एवं शौक में उपयोग करना अनुचित है। रावण ने शक्ति की पूजा की थी, जनक ने सेवा की थी। धन सदा नहीं रहता। जितने दिन है, सेवा में उपयोग करना चाहिए। अपने उपर कम से कम खर्च करें।

– धन शक्ति है। इस शक्ति के नशे में किसी के साथ अन्याय न हो, इसका ध्यान रखना चाहिए।

– बच्चे अगर ऐश-आराम करने वाले होंगे तो पाप करेंगे एवं व्यापार चौपट कर देंगे। ऐसे नालायकों को धन देने की बजाय गरीबों मे बाँट देना श्रेयस्कर है।

– हम ट्रस्टी है। धन जनता की धरोहर है।

– भगवान को कभी भी नहीं भूलना चाहिए। भगवान का स्मरण अच्छी बुद्धि देता है।

– इन्द्रियाँ काबू में नहीं रहेंगी, तो हमें डूबो देंगी।

– नित्य व्यायाम करना।

– भोजन को दवा समझकर खाना। जो स्वाद के वश

होकर खाते है वे काम नहीं कर पाते हैं एवं जल्दी मर जाते हैं।

एक अन्य अनाम पत्र में एक पिता ने अपने पुत्र को हिदायत दी कि –

– किसी के प्रति भी बदले की भावना नहीं रखो।

– जो तुम्हें चाहते हैं, उनके प्रति कृतज्ञ रहो।

– कोई व्यक्ति तुम्हें चाहता है तो सावधान रहो। उसके पीछे कारण भी हो सकता है। सभी तुम्हारे सच्चे मित्र नहीं हैं।

– कोई भी चीज या व्यक्ति ऐसा नहीं जिसके बिना तुम्हारा जीवन चल नहीं सकता। यह समझ में आने से तुम्हारा जीवन सरल हो जायगा।

– जीवन अल्पकालीन है। अगर तुम अपना जीवन नष्ट करोगे तो तुम्हें यह जीवन छोड़ कर चला जायगा। जितना जल्दी तुम जीवन के महत्व को समझोगे, उतना ही जीवन का आनंद ले सकोगे।

– प्यार, प्रेम एक भावना है। समय एवं मूड के साथ यह भावना कमजोर होती रहेगी।

– वहुत से सफल व्यक्तियों को अच्छी शिक्षा नहीं मिली थी। तुम जो भी शिक्षा ग्रहण करते हो, जीवन में आगे बढ़ने के अस्त्र हैं।

– अपने वादों को निभाओ पर यह मत आशा रखो कि सभी अपने वादे निभायेंगे।

– सभी से अच्छा व्यवहार करो पर सभी से अच्छे व्यवहार की आशा न रखो।

– मैने अनेकों बार लॉटरी की टिकट खरीदे हैं, पर एक बार भी मेरी लॉटरी नहीं उठी। इसका तात्पर्य यही है कि धनी होने के लिए तुम्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। इस दुनिया में मुफ्त में कुछ भी नही मिलता।

मेरे विचार से वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में हमें आज मंथन करने की आवश्यकता है कि हम अपनी युवा पीढ़ी को जिस प्रकार के मापदंड, उदाहरण एवं शिक्षा दे रहे हैं, वह उन्हें किस दिशा में ले जा रही है। परिवार एवं समाज में जो असुंतलन बढ़ रहा है, वह अनेकों गतिरोधों को जन्म दे रहा है। सामाजिक मान्यताएँ छिन्न-भिन्न हो रही हैं। स्थिति का चित्रण किसी शायर ने बखूबी किया है –

घोंसला बनानें मे हम
यूँ मशगूल हो गए
कि उड़ने को पंख भी थे
ये भी भूल गए।

संक्षेप मे कह सकते है कि विराट संभावनाओ के साथ इस धरती में आया हुआ मानव, अज्ञानतावश तुच्छ बातों में अपनी जिंदगी गुजार देता है।

पुस्तक - समीक्षा

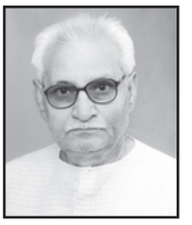

पुस्तक : जुड़'र देख (हाइकु काव्य)
रचयिता : केसरीकान्त शर्मा 'केसरी'
पृष्ठ : ८४, मूल्य : रू. १००/-
प्रकाशक : प्रतिज्ञ प्रकाशन, भंडावा (राज.)

राजस्थानी एवं हिन्दी के विख्यात विद्वान श्री केसरी कान्त शर्मा 'केसरी' मण्डावा ने काव्य, आलोचना, अनुवाद, व्याकरण, लोक साहित्य, शोध, सम्पादन एवं उपन्यास की हर विद्या में साधिकार कलम चलाई है। हाइकू-सम्राट केसरीजी रचित राजस्थानी काव्यों 'पड़ूतर' एवं 'पड़बिंब' के बाद हाइकू छंद में 'कठै तो सोचो', 'चाल अकेलो', 'ओळू-शतक' एवं प्रस्तुत समीक्ष्य कृति 'जुड़' र 'देख' आपके प्रिय हाइकू छंद में रचित है। निश्चय ही राजस्थानी साहित्य जगत में आपकी यह विशिष्ट देन मानी जाएगी। आपके सीधे सरल परन्तु व्यंग्य की पैनी धार वाले इन हाइकुओं में गजब का आकर्षण है। इनमें जीवन और जगत का यथार्थ चित्रण है। वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक स्थितियों, विद्रुपताओं, विडम्बनाओं पर सटीक व्यंग्य है।

'जुड़' र 'देख' में संग्रहित ५०६ हाइकुओं में छिछली स्वार्थपरक राजनीति, मूल्य-विहीनता, सांस्कृतिक ह्रास एवं भ्रमित युवा पीढ़ी के प्रति गहरा आक्रोश प्रकट हुआ है। भूमिका-लेखक हरिराम शर्मा ने ठीक ही लिखा है कि यह आक्रोश ही इन हाइकुओं की मुख्य थीम है, जिसमें से गुजरना उनके रचना–कर्म का अभिप्रेत है और जो पाठक को वैचारिक खुराक प्रदान करने में सक्षम है।

आज समाज, धर्म, राजनीति, शिक्षा एवं उद्योग हर क्षेत्र में स्वार्थलिप्सा, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी व्याप्त है। समाज में निराशा, अनास्था एवं अकर्मण्यता के साथ किंकर्तव्यमूढ़ता दिखाई देती है। मुखौटाधारी नेताओं की करनी व कथनी में कितना अन्तर है। देश की इसी स्थिति का इन हाइकुओं में ज्वलन्त चित्रण है। कुछ उदाहरण देखें:– उधार के पैसे लेना टेढ़ी खीर है। इस कटु सत्य पर लिखा है कि आज उधार के पैसे लेना संभव नहीं, देकर भूल ही जाओ – "कोनी बावड़ै / दियोड़ा दाम लाडी / गम खींचले।" लोगों में दया, करूणा नहीं रही, पीड़ित पर ही हँसते है, यथा –

A.T
ANU®
SAREES

AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH

21 YEARS OF SERVICE

Wishing You & Your Family
A Very Happy Diwali & A Prosperous New Year

Products and Services

Advisory Services
- Wealth Management
- Mutual Fund
- PSU Taxable and Tax free Bonds
- Equity & Debt IPO

Debt Syndication Services
- Trade Finance
  Buyers/Suppliers Credit
- Structure Finance
  Loan against property, shares, bonds
- Equipment Finance
- Project & Working Capital Finance
- Commercial Paper

Broking & Trading Services
- Equity-NSE, BSE
- Currency-NSE, BSE, MCX-SX
- Commodity-MCX
  (through AUM Commodity Services Pvt. Ltd.)
- Insurance Broking
  (through AUM Bima Suraksha Broking Pvt. Ltd.)
- Real Estate Broking
- Physical Commodity Broking

www.aumcap.com

Trinity Building, Unit - 6, 6th Floor, 226/1, A.J.C. Bose Road, Kolkata - 700020 • P : +91 33 3058 8405

"देख तमासो / मेरी तो टांग टूटी / और बै हांस्या"। हर मनुष्य इस स्वार्थी संसार में स्वयं को मिसफिट मानता है, "मिसफिट हूँ/अीं दुनियादारी में / सॉरी प्लीज।"

आज हर आदमी निजी स्वार्थ में लीन है, देश प्रेम से कोई सरोकार नहीं:

"आप आप री/पड़ी है तनै, मनै, (सै नै)/डूबगो देस।"

नैतिक पतन के साथ कथनी व करनी का अन्तर देखिए-

गोल्डॅन बाबो/बात करें त्याग री/बोलै जै राधे राधे।

निश्चय ही इस सामाजिक विखंडन एवं सांस्कृतिक अंवमूल्यन के दौर में केसरी जी के नैतिक संदेश सराहनीय हैं। समाज एवं देश के प्रति आपकी वैचारिकता में रचनाधर्मिता का, सजग साहित्यकार का दायित्व झलकता है। आशा है आपका पांचवाँ–छठा हाइकू काव्य-संग्रह पाठकों को शीघ्र मिलेगा। ऐसी उत्कृष्ठ रचना के लिए हार्दिक बधाई!

अच्छी पहल

बांगड़ के राजपूत समाज ने की समारोह में शराब बैन

राजस्व आय के लालच में राज्य सरकार इस बुराई को समाप्त करने की हिम्मत जुटा नहीं पा रही है। इन सबके बीच बांगड़ के राजपूत समाज ने शराबबंदी पर बड़ा फैसला लेते हुए ना केवल शादी समेत हर समारोह में इस पर बैन लगा दिया है, बल्कि दूसरे समाजों को भी शराबबंदी अभियान के लिए आगे आने की अलख जगाई है।

देश के कई हिस्सों में शराबबंदी के खिलाफ जबरदस्त माहौल है। राजस्थान में भी शराबबंदी के लिए जोर-शोर से मूवमेंट चल रहा है। पूर्व विधायक गुरुशरण छाबड़ा ने तो सूबे में शराबबंदी के लिए अनशन करते हुए शहादत दे दी। हालांकि शराब से हो रही अरबों रुपए की राजस्व आय के लालच में राज्य सरकार इस बुराई को समाप्त करने की हिम्मत जुटा नहीं पा रही है। इन सबके बीच बांगड़ के राजपूत समाज ने शराबबंदी पर बड़ा फैसला लेते हुए ना केवल शादी समेत हर समारोह में इस पर बैन लगा दिया है, बल्कि दूसरे समाजों को भी शराबबंदी अभियान के लिए आगे आने की अलख जगाई है। वैसे भी हर समाज इस बुराई से पीड़ित है, खासकर महिलाएँ व बच्चे। इससे परिवार टूट रहे हैं। असमय मौतों और शराब सेवन से परिवार आर्थिक तंगी से खत्म हो रहे हैं। माँ बहनों व बेटियों के साथ घृणित अपराध सामने आ रहे हैं। देश व समाज को खोखला करने में सबसे आगे है और ना जाने कितनी बुराईयाँ शराब से हैं। वांगड़ के राजपूत समाज ने राजस्थान और सभी समाजों को एक पहल दिखाई है। वांगड़ के राजपूत समाज ने बाकायदा बैठक करके शराबबंदी पर मुहर लगाई है, बल्कि समाज के सभी वर्गो, पंच-पटेलों और बुद्धिजीवियों से राय लेकर इतना बड़ा फैसला किया है कि ना तो अब शादी-समारोह और ना ही दूसरे समारोह में शराब परोसी जाएगी। जो कोई भी समाज के इस फैसले का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ कड़े फैसले लिए गए है। वांगड़ क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौहान के मुताबिक, शादी समारोह में राजपूत समाज में शराब का ज्यादा ही प्रचलन है। इससे बच्चे भी शराब पीना सीख रहे हैं। शराब फिजूलखर्ची तो है, साथ ही घर-परिवार व समाज में अपराध बढ़ रहे है व परिवारों में संस्कार खत्म हो रहे हैं। बांसवाड़ा-डुंगरपुर में शराबबंदी को समाज का भरपूर समर्थन मिला है। जो कोई शराब परोसेगा उसके समारोह में राजपूत समाज नहीं जाएगा। उस पर आर्थिक दण्ड के प्रावधान भी रखे गए हैं। महासभा ढाबों-रेस्टोरेंट पर समाज के शराब पीने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए इस पर भी बैन लगाने का विचार कर रही है। उधर, वांगड़ समाज की इस पहल को बांसवाड़ा में खासा समर्थन मिल रहा है। लोगों ने शादी समारोह में शराब पर रोक लगाना शुरु कर दिया है। अब देखना है कि वांगड़ से शुरू यह अलख पूरे राजपूत समाज के साथ दूसरे समाजों को कितना जाग्रत कर पाती है। खैर किसी ने पहल शुरू की है तो उसके परिणाम भी अच्छे ही आयेंगे।

हमारी बेटी

ये न पूछिए कि बेटी को हमने क्या दिया,
बल्कि ये पूछिए बेटी ने हमें क्या दिया।
बेटी ने पुष्पित की हमारे हृदय की क्यारी,
बेटी ने बनाया हमारे सूने आँगन को कुलवारी।
बेटी ने घर में प्यारी वहक से प्रकाश बिखराया,
बेटी ने सहसे पहले हमें ममता का स्वाद चखाया।
बेटी ने ही हमें माँ पिता होने का गौरव दिया,
बेटी ने ही हमें एक सौर बेटा मयक दिया।
आज जाते जाते भी दिए जा रही है मौन होटों से,
हमेशा हमारा हाथ थामे रहने का आश्वासन।
नजरों से दूर भले ही पर दिल के करीब बने रहने का दृढ़ प्रण,
इसलिये ये न पुछिए कि बेटी ने हमें क्या दिया...

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular/Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

सीखो राजस्थानी

राजस्थानी शब्द का अर्थ हिंदी में...

विशेष : 'अलबेली राजस्थान' की माटी-संस्कृति, कला-शौर्य व भक्ति परंपरा की गहराई-ऊँचाई में देश-दुनिया पहुँचे, इसके लिए राजस्थानी शब्दों के अर्थ से पाठक जगत अवश्य अवगत हो!

वीरा	भाई
भावज	भाभी
भंवर	बड़ा लडका
भवरी	बडी लडकी
छोरा-छोरी	लड़का-लड़की
डांगरा	पशु
ढोर	भेडबकरी
बींद	पती/दूल्हा
बींदणी	बहू/दुल्हन
लाल जी	देवर
लाडो	बेटी
लाडलो	प्रिये
गीगलो/टाबर	बच्चा
लाडी	सोतन
गेलड	दूसरे विवाह में स्त्री के साथ जाने वाला बच्चा
बावनो	लम्बाई में छोटा पुरुष
बावनी	लम्बाई में छोटी महिला
घनेडो-घनेडी	भानजा-भनजी
भूडोजी	फूफाजी
धणी-लुगाई	पति-पत्नी
भरतार	पति
कलेवो	नाश्ता
गिवार	अनपढ़
बेगा बेगा	जल्दी जल्दी
बेसवार	मसाला
जिनावर	जीव जंतु
सिरख	रजाई
गूदडा	छोटा बेड/गद्दा
पथरना	छोटा बेड
हरजस	भजन
पतडो	पंचांग
मीती	तीथी
बाखल	लान
तीपड	तीसरा माला
शाल	सामने का बड़ा कमरा
तखडीओ	तराजू
पसेरी/घडी	5 Kg
मणा	40 Kg
सेर	1 Kg
धुण	20 Kg
बेडियो	मसाला रखने का बॉक्स
घडूची	पानी का मटका रखने की वास्तु
ओरा	कदोने का कमरा
परिडा	पानी रखने की जगह
खेळ	पशुओ के पानी पिने का स्थान
कोटडा	बॉक्स रुम
मालिया	छत पर कमरा
गुम्हारिया	तलघर
कब्जो	ब्लाउज
मूण	मिट्टी का बड़ा घड़ा
मटकी	मिट्टी का घड़ा
ठाटो	कागज गलाकर अनाज रखने का बर्तन
गूणीया	चाय/दूध/पानी रखने का छोटा बर्तन
तड़काउ	भोर
उन्दालो	गर्मी का मौसम
सियालो	सर्दी का मौसम
चौमासो	बारिश का मौसम
पालर पाणी	पीने का बारिश वाला पानी
बाकल पाणा	पीने का तल का पानी
दिसा जाना	पायखाना जाना
रमणन	खेलने
तिस (लगना)	प्यास (लगना)
गिट्ना	खाना
ठिकाणा	पता
किना उडाणा	पतंग उडाना
ख्वासजी	नाई
अगूण	पूर्व
आथूंण	पश्चिम
कांजर	बनजारा
झरोखो	खिड़की/विंडोज
बाजोट	लकड़ी की बड़ी चौकी
मांढणो	लिखना
कुलियों	मिट्टी का छोटा बर्तन
मायरो	भात
मुदो	तिलक (विवाह में वर का)

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

२००६ में पारित वैवाहिक आचार संहिता: व्यवहार में परिणत कराये सम्मेलन

वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची, धन का भौड़ा प्रदर्शन, बेतरतीब नाच-गान और मद्यपान पिछले कई दशकों से एक ज्वलंत समस्या रहे हैं। सम्मेलन के विभिन्न मंचों पर इस विषय पर चर्चाएँ हुई हैं, चिन्तन शिविर आयोजित किए गए हैं, गोष्ठियाँ हुई हैं। आज भी गाहे-बेगाहे यह प्रश्न उठता रहता है।

इस संदर्भ में सन् २००६ में आयोजित एक चिन्तन शिविर उल्लेखनीय है। सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की परिकल्पना से ४-५ नवम्बर २००६ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित जयनारायण गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित इस चिंतन शिविर में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी, महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी, युवा मंच के पदाधिकारियों सहित स्थानीय विद्वानों एवं समाजचिंतकों ने शिरकत की। दो दिनो तक गहन विचार-मंथन के बाद एक वैवाहिक आचार-संहिता तय की गयी जो निम्नवत है:

- मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।
- पानी से पापड़ तक अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- सज्जन गोठ बन्द हो।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च बर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग बर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की बनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

इस आचार-संहिता को सम्मेलन ने यथाशक्ति प्रचारित-प्रसारित किया। प्रांतीय शाखाओं ने भी अपने-अपने स्तर से कदम उठाए। एक विचार-मंच के रूप में सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभायी, समाधान तलाशा किन्तु इसको व्यवहार में परिणत करने के लिए पूरे समाज के हर परिवार की भागेदारी जरूरी है।

आज की परिस्थितियों का अगर आप आकलन करें, तो पायेंगे कि कुल मिलाकर स्थिति शुभ नहीं है। आज फिर हमें इस विषय पर विचार करने, समाधान का मार्ग तय करने और सबसे जरूरी सभी को उस मार्ग पर कैसे लाया जा सके, यह सोचना है।

उपर्युक्त के आलोक में प्रांतीय इकाइयों, शाखा सम्मेलनों, समाजचिंतकों से उपरोक्त आचार संहिता को रूपायित करने हेतु पुनर्प्रयास का अनुरोध है।

डॉ. जुगल किशोर सराफ
चेयरमैन,
समाज सुधार उपसमिति

सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
चेयरमैन,
सलाहकार उपसमिति

राजिया रा दूहा

आछा जुध अणपार, धार खग्गां सनमुख धसै।
भोगी होई भरतारी, रसा जिकदे नर, राजिया!।।१०।।

भावार्थ—अनेक बड़े युद्धों में जो तलवारों की धारों के सामने बढ़ते हैं और निर्भीक होकर शस्त्रों के प्रहार झेलते हैं, वे ही मनुष्य पृथ्वी के स्वामी बनकर पृथ्वी को भोगते हैं।

आछा हुव्र उमराव्र, हिया-फूट ठाकर हुव।
जड़िया लोह-जड़ाव्र रतन न फाबै, राजिया!।।११।।

भावार्थ—रत्न तभी शोभा देते हैं तब सोने में जड़े हों। इसी प्रकार गुणवान सरदार तभी शोभा देते हैं जब उन्हें उनके अपने अनुरूप वैसे ही गुणवान ठाकुर (स्वामी) मिलें। यदि सरदार गुणवान हों और ठाकुर निर्बुद्धि हो तो वे शोभा नहीं देते, जैसे लोहे की जड़ाई में जड़े हुए रत्न शोभा नहीं देते।

आछोड़ां ढिग आय, आछोड़ा भेळा हुवै।
ज्यूं सागर में जाय, रळै नदी-जळ, राजिया!।।१२।।

भावार्थ—भले आदमियों रे पास भले आदमी एकत्र होते हैं, जैसे नदियों के जल समुद्र में जाकर मिलते हैं।

आछो मान अभाव मत-हीणा केई मिनख।
पुटिया की ज्यों पांव राखे ऊपर, राजिया!।।१३।।

भावार्थ—कुछ लोग ऐसे निर्बुद्धि होते हैं कि यदि उन्हें कभी बहुत अधिक ऊँचा सम्मान मिल जाता है तो वे अभिमान से फूल जाते हैं और अपने को बहुत महत्व देने लगते हैं। वे ऐसा बर्ताव करने लगते हैं, मानो बहुत महत्त्वशाली पुरुष हों। पुटिया पक्षी की भाँति वे भी अपने पैरों को ऊपर की और रखते हैं।

आवै नहीं इलोळ बोलण-चाळण से विविध।
टींटोड्रयां री टोळ राजहंस री, राजिया!।।१४।।

भावार्थ—साधारण तथा संस्कृतिहीन लोगों की संगति में रहने से शिष्ट तथा सुसंस्कृत लोगों के समान बोलने-चालने के नाना प्रकार के तौर-तरीके नहीं सीखे जा सकते। जैसे टिटहरियों की संगति में रहने से राजहंसों की रीत नहीं आ सकती, वह तो राजहंसों में रहने से ही आ सकती है।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री कमल प्रसाद अग्रवाल द्वारा-कमल किटाना स्टोर मुनिगुड़ा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री प्रमोद कुमार खण्डेलवाल** द्वारा - खण्डेलवाल ट्रेडर्स मुनिगुड़ा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री नरेश गुप्ता** द्वारा-गोयल इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड हार्डवेयर मुनिगुड़ा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री विनोद कुमार जैन** मुनिगुड़ा, रायगड़ा ओडिशा	**श्री राधेश्याम अग्रवाल** द्वारा - श्याम पूजा भण्डार मुनिगुड़ा, रायगड़ा, ओडिशा
श्री विनोद कुमार अग्रवाल द्वारा - आलोक क्लॉथ स्टोर मुनिगुड़ा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री धरम प्रकाश जैन** द्वारा - चन्द्रा प्रभु बैंगल्स स्टोर मुनिगुड़ा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री महेन्द्र कुमार बंसल** अम्बोदला - ७६५०२१ रायगड़ा, ओडिशा	**श्री विकाश अग्रवाल** द्वारा - अग्रवाल ट्रेडर्स अम्बोदला, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री बिबेक जैन** अम्बोदला - ७६५०२१ रायगड़ा, ओडिशा
श्री राजेश जैन द्वारा - जीयाराम जैन इंटरप्राईजेज मुनिगुड़ा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री संजय खण्डेलवाल** मुनिगुड़ा, रायगड़ा ओडिशा	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** द्वारा - कृष्णा स्टोर मुनिगुड़ा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री सुरेन्द्र अग्रवाल** द्वारा - नेहा ट्रेडर्स मुनिगुड़ा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** मुनिगुड़ा, रायगड़ा ओडिशा
श्री बिजय कुमार अग्रवाल द्वारा - बजरंगवली क्लाथ स्टोर अम्बोदला, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री दीपक कुमार जैन** द्वारा - नरेश कुमार जैन मेन रोड, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री मुकेश कुमार जैन** द्वारा - बिजय कुमार जैन लंजीगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री संजय अग्रवाल** द्वारा - घनश्याम अग्रवाल मेन रोड, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री राज कुमार अग्रवाल** द्वारा - रामस्वरूप अग्रवाल अम्बोदला, रायगड़ा, ओडिशा
श्री मुकेश कुमार बरसीया द्वारा - मुकेश एजेन्सी मुनिगुड़ा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री गोपाल अग्रवाल** द्वारा - बिजय कुमार अग्रवाल मेन रोड, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री अनील अग्रवाल** द्वारा - अनील हार्डवेयर अम्बोदला, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री प्रमोद कुमार गोयल** विश्वनाथपुर - ७६६०२० कालाहांडी, ओडिशा	**श्री विजय गोयल** १२, आदर्श नगर कालोनी अपो. खन्ना नगर, हरिद्वार उत्तराखंड
श्री रंजीत कुमार टिवड़ेवाल आर २३८, प्रथम तल शिवालिक नगर, हरिद्वार उत्तराखंड	**श्री ब्रिज मोहन चौधरी** मे. सुपर मार्बल्स एण्ड ग्रेनाइट भद्रावाद, हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री संजय कुमार भरतिया** मे. नवयुग प्लास्टिक सेन्टर प्रा. लि, हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री दीपक अग्रवाल** मे. श्रीजी पैकेजिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स सार्विस, रानीपुर, हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री पवन कुमार सिंडोलिया** मे. क्रियेटिव प्रप्लास्ट फ्लाट न०-५८, सेक्टर-२ हरिद्वार, उत्तराखंड
श्री मनोज कुमार गोयल द्वारा - गोयल ट्रांसपोर्ट सर्विसेस, बहदरावाद, उत्तराखंड	**श्री चन्द्रा मोहन केडिया** ए-२२, गंगोजी स्ट्रीट, विष्णु गार्डेन, कनखाल, उत्तराखंड	**श्री रंजीत कुमार जालान** मे. रेवती प्रिंट ओपेक रानीपुर, हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री नरोत्तम केडिया** मे. महालक्ष्मी टिम्बर एण्ड प्लाईवूड, हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री अभिषेक बगडिया** ई-५, बहादरावाद एरिया हरिद्वार, उत्तराखंड
श्री जितेन्द्र कुमार चौधरी सुपर मार्बल्स एण्ड ग्रेनाइट बहादरावाद, हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री हेमन्त चौधरी** सुपर मार्बल्स एण्ड ग्रेनाइट्स बहादरावाद, हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री गोपाल बगड़िया** ई-५, बहादरावद इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री पवन कुमार क्याल** जे-२७३, शिवालिक नगर हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री राकेश कुमार चोखानी** क्वाटर न०-२५, टाईप-४ सेक्टर-५ए, भेल हरिद्वार, उत्तराखंड
श्री लक्ष्मी नारायण मे. रूपा इलेक्ट्रीकल्स प्रा.लि. फ्लाट न०-२९, हरिद्वार उत्तराखंड	**श्री अनुप केडिया** हरिद्वार उत्तराखंड	**श्री राम केजरीवाल** मे. रूकमणी आयरन प्रा.लि. बहादरावद, हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री पवन कुमार मित्तल** मे. श्रीराम प्रोपर्टी हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री अर्पित अग्रवाल** राधा कृष्ण अपार्टमेन्ट कानपुर, उत्तरप्रदेश
श्री विनोद कुमार अग्रवाल द्वारा–जय मां भवानी प्लाईवूड कं०, हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री अजय शर्मा** हरिद्वार उत्तराखंड	**श्री सुरेन्द्र कोठारी** हरिद्वार उत्तराखंड	**श्री विनोद अग्रवाल/गौरव कुमार** हरिद्वार, उत्तराखंड	**श्री सुशील चोखानी** हरिद्वार उत्तराखंड
श्री राजेश नेमानी मे. नेमानी ट्रेडिंग कं० कलेक्शन गोदामंगली मुजफ्फरपूर, विहार	**श्री विकाश झुनझुनवाला** मे. विकाश ट्रेडर्स डी. एन. सिंह रोड, लोधापट्टी भागलपुर, बिहार	**श्री गणेश केडिया** सफ्फड़ कटरा, स्टेशन रोड भागलपुर, विहार	**श्री अशोक कु. बंसल** मे. बंसल कार्पोरेशन भागलपुर, विहार	**श्री गोविन्द केडिया** मे. वीणा उद्योग सफ्फड़ कटरा, स्टेशन रोड भागलपुर, बिहार
श्री सुरेश कुमार भिवानीवाला प्रेम कुंज अपार्टमेंट, नया बाजार, भागलपुर, विहार	**डॉ. दिलीप कुमार अग्रवाल** फ्लैट नं०-३सी, अशोका टावर भागलपुर, विहार	**डॉ. मंजु अग्रवाल** फ्लैट नं०-३सी, अशोका टावर भागलपुर, विहार	**श्री अनुराग सौरभ** फ्लैट नं०-३सी, अशोका टावर भागलपुर, विहार	**श्री राज कुमार मावंडीया** मे. श्री महावीर टेक्सटाईल सुतापट्टी, भागलपुर, बिहार
श्री अशोक मावंडीया दीप नारायण कटरा भागलपुर, बिहार	**श्री किशन लाल भालोटिया** मे. भालोटिया ट्रेडर्स भागलपुर, बिहार	**श्री पूनित बाजोरिया** मे. ज्ञान भारती लोहापट्टी, बिहार	**श्री संजय कुमार बाजोरिया** द्वारा - राधिका मेडिकल्स भागलपुर, बिहार	**श्री कृष्ण कुमार तोदी** मे. तोदी इलेक्ट्रीकल्स भागलपुर, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री विकाश चमड़िया मे. अग्रवाल मार्केटिंग कं० भागलपुर, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. रतन दीप संस पटना, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** १७, गैलेक्सी मार्केट पटना, बिहार	**श्री कैलाश कुमार बजाज** मे. पपेट, जी-६, पुष्पांजली प्लेस, पटना, बिहार	**श्री किशन दमानी** सुर्या अपार्टमेंट पटना, बिहार
श्री बालमुकुन्द सिंघानियाँ द्वारा - हालीवुड पटना, बिहार	**श्री मुकेश नेवटीया** ५०४, साकेत टावर पटना, बिहार	**श्री बच्छराज चोराड़िया** मे. बजरंग राईस मिल स्टेशन रोड, धेमाजी, असम	**श्री उमेश खण्डेलीया** मे. बाबा वैद्यनाथ भण्डार धेमाजी, असम	**श्री मुरारीलाल बंसल** बंसल निवास, वार्ड नं०-४ धेमाजी, असम
श्री विष्णु कुमार बंसल बंसल निवास, अपो-कोर्ट फिल्ड, धेमाजी, असम	**श्री कृष्ण कुमार बंसल** मे. सुवनाश्री इंटरप्राईजेज धेमाजी, असम	**श्रीमती मंजु बंसल** मे. सुवनाश्री इंटरप्राईजेज धेमाजी, असम	**श्री अशोक कुमार खेमका** मे. खेमका ब्रदर्स मुंगेर, बिहार	**श्री रमेश चन्द्र गोयल** द्वारा - श्यामलाल राजेन्द्र प्रसाद, बक्सर, बिहार
श्री सुभाष गोयल द्वारा - गंगा ट्रेक्टर बक्सर, बिहार	**श्री प्रवीण अग्रवाल** पुस्तकालया रोड बक्सर, बिहार	**श्री सचिन कुमार खेतान** मे. ओम वस्त्रालय जमालपूर, बिहार	**श्री विक्की वर्मा** १, भगवान दास लेन आनन्द होस्पिटल रोड, बिहार	**श्री राज कुमार वर्मा** मे. कृष्णा कैटरर भागलपुर, बिहार
श्री शंकर कुमार सोनी ३०३, जगदम्बा अपार्टमेन्ट भागलपुर, बिहार	**श्री रवि शंकर जैन** मे. सर्वश्री कविता टेक्सटाईल भागलपुर, बिहार	**श्री गोपाल प्रसाद जैन** मे. बनारसीलाल भगीरथ प्रसाद, भागलपुर, बिहार	**श्री कपिल कुमार जैन** मे. सर्वश्री सीमा साड़ी सेन्टर भागलपुर, बिहार	**श्री पुरूषोत्तमलाल गोयनका** मे. गोवर्धन सिल्क प्रा. लि. भागलपुर, बिहार
श्री अभिषेक अग्रवाल मे. सेरामिक इंटरप्राईजेज पटना, बिहार	**श्री सुभाष अग्रवाल** मे. मारुति ड्रग डिस्ट्रीव्युटर पटना, बिहार	**श्री सुरेश कुमार मोहता** द्वारा - शर्मा कटरा भागलपूर, बिहार	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** मे. गिफ्ट इम्पोरियम, बी-५०, मोर्या लेन, पटना, बिहार	**श्री अंकित गाड़ोदिया** प्रथम तल, जी. के. मेन्शन पटना, बिहार
श्री राजेश कुमार अग्रवाल मे. अग्रवाल ट्रेडर्स एजेन्सी पटना, बिहार	**श्री रघुवीर प्रसाद गुप्ता** १०३, हरि ओम कमर्शियल कॉम्पलेक्स, पटना, बिहार	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** मे. ए. के. इंटरप्राइजेज औरंगाबाद, बिहार	**श्री मुन्नी चंद बरेलिया** मे. राजलक्ष्मी, नवीनगर, औरंगाबाद, बिहार	**श्री शिव कुमार चौधरी** द्वारा - शिव ट्रेडर्स औरंगाबाद, बिहार
श्री सुशील कुमार बरेलिया मे. लक्ष्मीनारायण विजय कुमार, औरंगाबाद, बिहार	**श्री राजु केडिया** मे. केशव गारमेंट, नवीनगर औरंगाबाद, बिहार	**श्री रमेश कुमार केडिया** मे. गुलाब राय नथमल नवीनगर, बिहार	**श्री नरेश बरेलिया** मे. नरेश किराना दुकान नवीनगर, औरंगाबाद, बिहार	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** मे. अग्रवाल स्टोर, न्यू सरिया औरंगाबाद, बिहार
श्री ओम प्रकाश खेमका मे. ओम सर्विस स्टेशन औरंगाबाद, बिहार	**श्री मनिष कुमार दारुका** मे. प्रेम वस्त्रालय औरंगाबाद, बिहार	**श्री अनुभव निलय** मे. ओंकरमल वैजनाथ इंडियान ऑयल डीलर, औरंगाबाद, बिहार	**श्री राजेश गोयल** पुस्तकालय रोड बक्सर, बिहार	**श्री नवीन गोयल** पुस्तकालय रोड बक्सर, बिहार
श्री राकेश गोयल पुस्तकालय रोड बक्सर, बिहार	**श्री मनोज कुमार गुप्ता** गुजरात भवन, प्रथम तल रूम नं. २३, कोलकाता-७३	**श्री धिरेन्द्र अग्रवाल** मे. डी.के. इंटरप्राइजेज गुजरात भवन, रुम नं-२३ कोलकाता-७३	**श्री विनोद कुमार दुग्गड़** ८, बी.बी.डी. बाग (ई.) रूम नं.-२, कोलकाता-१	**श्री बजरंग लाल अग्रवाल** मे. बी.एल. अग्रवाल एण्ड कं. ९/१२, लाल बाजार स्ट्रीट, कोलकाता - ७००००१
श्री अशोक कुमार भारूका १५६ए, लेनिन सरणी रूम नं०-२१४, द्वितीय तल, कोलकाता - १३	**श्री अशोक कुमार मित्तल** मे. मित्तल स्टील उद्योग ७३०, मार्शल राउस कोलकाता - १	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** डायमण्ड सिटी नार्थ, ब्लाक-२० ६८, जैसर रोड, कोलकाता-५५	**श्री मुकेश बंका** मे. बंका एसोसियेट्स २, लाल बाजार स्ट्रीट कोलकाता - १	**श्री प्रवीण कुमार गोयनका** मे. ओरो इण्डस्ट्रीज लि० ७४०ए, ब्लाक-पी.न्यु अलिपुर, कोलकाता-५३
श्री मनोज कुमार बंसल ४८डी, मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट प्रथम तल, कोलकाता - ७	**श्री विमल कुमार गुप्ता** ८सी, एम.डी.रोड, चौथा तल रूम नं०-२०, कोलकाता-७	**श्री सुबोध कुमार धानुका** मे. इंडो विशन सिक्युरीटीज लि० २४ एवं २६, हेमन्त बसु सरणी कोलकाता - १	**श्री संजय कुमार धानुका** मे. इंडो विशन सिक्युरीटीज लि० २४ एवं २६, हेमन्त बसु सरणी कोलकाता - १	**श्री प्रमोद कुमार धानुका** मे. इंडो विशन कमोडिटीज लि० २४ एवं २६, हेमन्त बसु सरणी कोलकाता-१
श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल मे. वेंकटेश केमिकल्स २०, एन.एस रोड, द्वितीय तल, कोलकाता - १	**श्री संजीब संघी (सी.ए.)** २०सी, रानी संकरी लेन कोलकाता - २६	**श्री अरूण कुमार खण्डेलिया** मे. के. अरूण एण्ड कं. ८, कैमक स्ट्रीट, आठवाँ तल कोलकाता - १७	**श्री नरेश कुमार बंका** मे. एन.के. बंका एण्ड एसोसियेट्स १, ब्रिटीश इंडियन स्ट्रीट कोलकाता - ६८	**श्री विकाश मोदी** सिक्युरिटी हाउस २३बी, एन. एस. रोड चौथा तल, कोलकाता - १

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

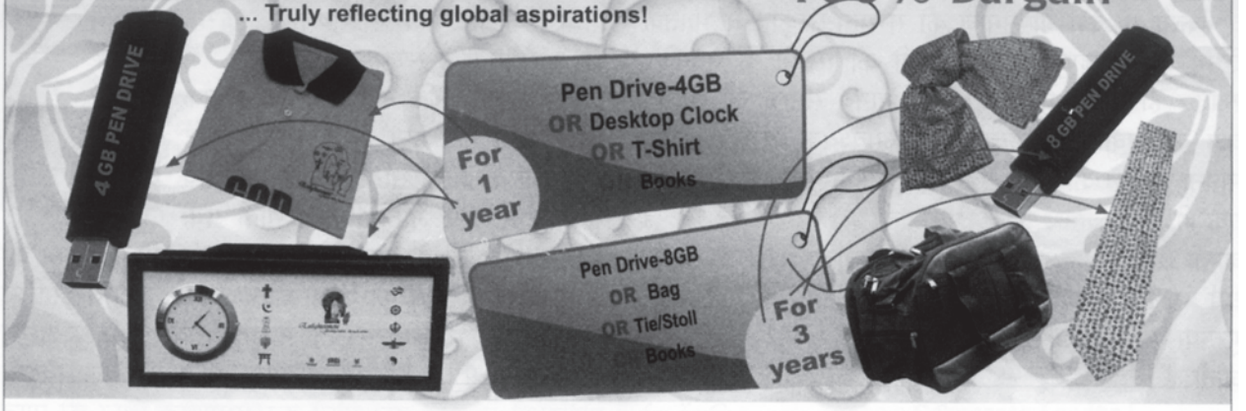

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District: _____

State: _____ Country: _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS
Date of Publication - 24th September 2017
RNI Regd. No. 2866/68

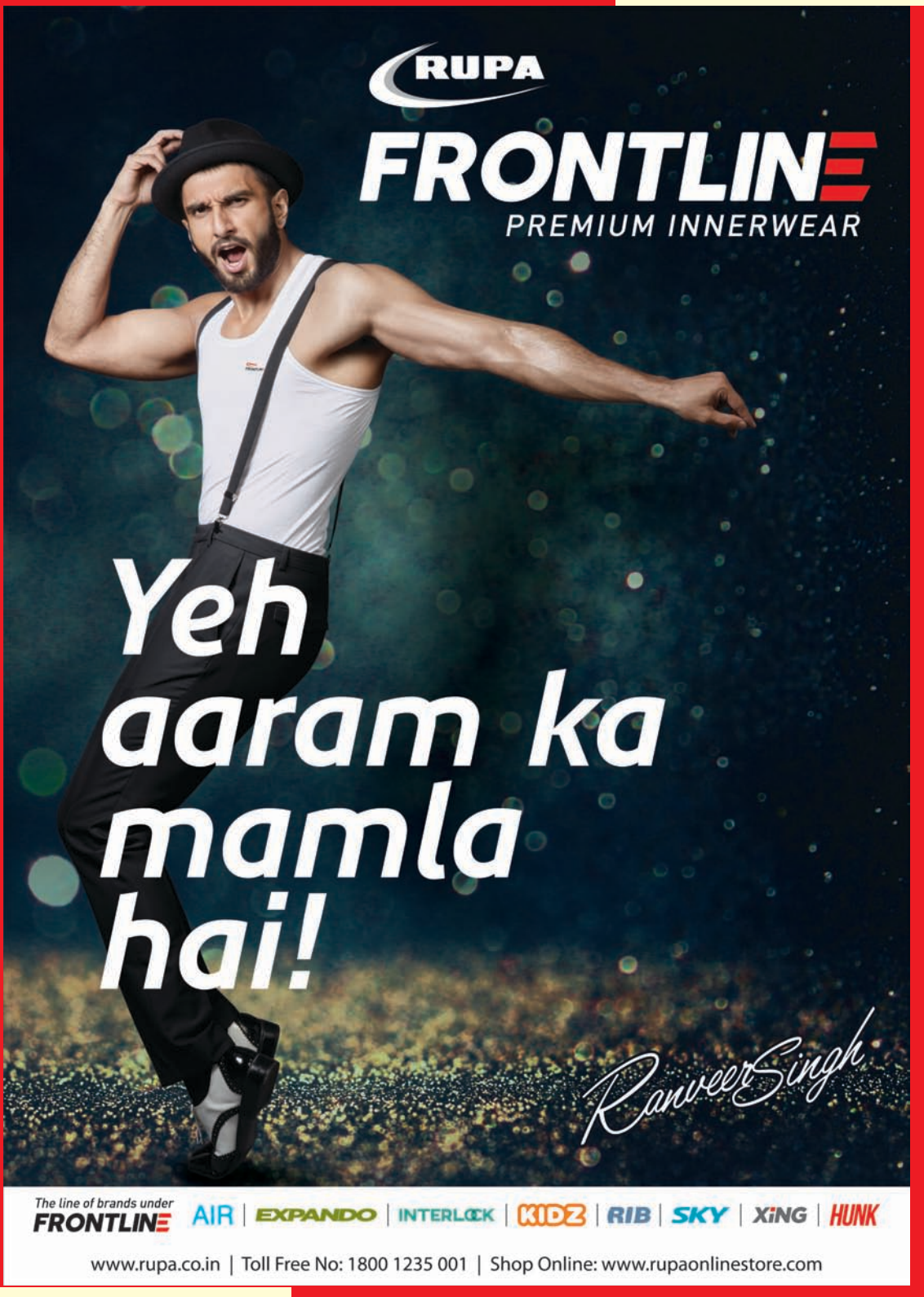

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com